प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

रांची संस्करण

गुरूवार 13 फरवरी 2025

● वर्ष 03 ● अंक 179

● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2/- रुपया

श्रमेव जयते, स्पष्टमेव जयते

श्रमबिन्दु

37 वर्ष 1987-2024

रांची, धनबाद, भिलाई एवं बस्तर से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

डाक पंजीयन क्रं. छ. ग. / दुर्ग/ 13/ 2021- 23 | E-mail : srambindu@gmail.com | shrambindu@yahoo.in | आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

मुफ्त की योजनाओं के एलान से सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- मुफ्त योजनाओं के कारण लोग काम नहीं करना चाहते

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इससे लोगों की काम करने की इच्छा नहीं होगी, क्योंकि उन्हें राशन और पैसे मुफ्त मिलते रहेंगे। जस्टिस बीआर गंवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें बेघर लोगों को शहरी इलाकों में आश्रय स्थल मुहैया कराने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि 'दुर्भाग्य से, मुफ्त वाली योजनाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है और उन्हें बिना कोई काम किए पैसे मिल रहे हैं।' पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि 'आपकी बेघर लोगों की चिंता किए जाने की हम तारीफ करते हैं, लेकिन क्या ये अच्छा नहीं होगा कि इन लोगों को समाज की मुख्य धारा में शामिल किया जाए, जिससे देश के विकास में इन्हें भी योगदान देने का मौका मिले।

केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमाणी ने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार शहरी इलाकों में गरीबी को मिटाने के लिए प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रही है। जिसमें शहरी इलाकों में बेघर लोगों को आश्रय देने का भी प्रावधान होगा। इस पर पीठ ने उन्हें केंद्र सरकार से पूछकर यह स्पष्ट करने को कहा कि कितने दिन में इस योजना को लागू किया जाएगा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी।

शहीद कैप्टन का शव रांची पहुंचा आज हजारीबाग में होगी अंत्येष्टि

हवाई अड्डे पर राज्यपाल, वित्त मंत्री और अन्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में आइइडी धमाके में हुए शहीद

शहीद के परिजनों से मुलाकात करते राज्यपाल और वित्त मंत्री। शहीद कैप्टन करमजीत (इनसेट में फाइल फोटो)

रांची/ हजारीबाग। हजारीबाग के जुलु पार्क निवासी कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी देश की सेवा करते हुए मंगलवार देर शाम शहीद हो गये। उनका पार्थिव शरीर बुधवार शाम रांची पहुंचा। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और कई अन्य विशिष्ट लोगों ने शहीद कैप्टन को पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल और अन्य ने हवाई अड्डे पर शहीद कैप्टन के परिजनों से मुलाकात की। शहीद कैप्टन के पार्थिव शरीर का गुरुवार को हजारीबाग मुक्तिधाम में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। इसके लिए विशेष व्यवस्था की गयी है।

आवास पर लोगों का लगा तांता : हजारीबाग और आसपास के इलाके में कैप्टन करमजीत के शहीद होने की खबर आग तरह फैल गयी है। लोग उनके आवास पर पहुंच कर उन्हें याद कर रहे हैं। परिवार को लोगों को गर्व है कि उनके बेटे ने देश के लिए बलिदान दिया है। शाहिद करमजीत के पिता अजिंदर सिंह बक्शी ने नम आंखों से कहा कि वह देश के लिए शहीद हो गया। 11 साल से सेना में था। वह परिवार का सबसे बड़ा बेटा था। पूरे परिवार की जिम्मेदारी उठा रहा था। उसकी शादी भी अप्रैल में होने वाली थी।

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में एलओसी के पास मंगलवार को हुए आइइडी धमाके में कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गये थे, वहीं एक जवान घायल है।

> **जम्मू के अखनूर में सर्च ऑपरेशन के दौरान झारखंड से कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी और सेना के एक और जवान के शहीद होने की दुखद खबर मिली। मरांग बुरु शहीद जवानों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।**
>
> **-हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री**

> **हजारीबाग के बेटे कैप्टन करमजीत सिंह बक्शी के शहीद होने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें। कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में हम सदैव करमजीत की शहादत के ऋणी रहेंगे।**
>
> **- बाबूलाल मरांडी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष**

परीक्षा पे चर्चा 2025 - पीएम मोदी से डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने सीखा कामयाबी का मंत्र

बोकारो।

डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी सोमवार को देश के दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संबोधित की गई परीक्षा पे चर्चा 2025 के लाइव सेशन का साक्षी बने। विद्यालय के कालिदास कला भवन के साथ-साथ विभिन्न कक्षाओं में भी चलाए जा रहे लाइव शो को देखते हुए बच्चों ने परीक्षा के साथ-साथ जीवन में भी कामयाबी का मंत्र सीखा। छात्र-छात्राओं ने तनावमुक्त होकर एवं आनंदयुक्त वातावरण में परीक्षा देने के कई गुर सीखे।

प्रधानमंत्री के साथ इस इंटरैक्टिव सेशन में बच्चों ने बिना किसी के दबाव की परवाह किए पूरी तरह तनावमुक्त होकर अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगाने, लीडरशिप क्वालिटी, टीम-वर्क, अपनी भावनाएं जरूर साझा करने, समग्र विकास, प्रकृति से जुड़ाव, परिवारजनों एवं शिक्षकों के साथ तालमेल और टाइम मैनेजमेंट सहित कई महत्वपूर्ण टिप्स सीखे। विद्यार्थियों ने सदैव सकारात्मक बने रहने, लिखने की आदत डालने तथा कठिनाइयों को चुनौती के रूप में लेने की बातों को काफी प्रेरणाप्रद बताया।

सबसे कठिन विषय को चुनौती के रूप में लेकर सबसे पहले उसकी पढ़ाई करने की बात ने बच्चों में एक नए उत्साह का संचार कर दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने परीक्षा पे चर्चा को प्रधानमंत्री श्री मोदी की ऐतिहासिक पहल बताते हुए छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा के दिनों में एक अतुलनीय संजीवनी बताया। उन्होंने कहा कि बच्चे जब तनावमुक्त होकर आनंदपूर्ण वातावरण में परीक्षा देंगे, तो निश्चय ही वे अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनाः आधार लिंक की समय सीमा बढ़ी

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत झारखंड सरकार ने आधार लिंक की समय सीमा को बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया है। इससे योजना की लाभुक महिलाओं को राहत मिलेगी और वे अपने खातों में राशि प्राप्त कर सकेंगी।

अब तक क्या हुआ

- दिसंबर 2024 में हुई विधानसभा सत्र के दौरान सरकार ने इस योजना के लिए अनुपूरक बजट पेश किया था।
- 27 दिसंबर को सभी जिलों को 5225 करोड़ रुपये की राशि आवंटित कर दी गयी।
- 14 अक्तूबर 2024 को जारी संकल्प के अनुसार, दिसंबर 2024 से मार्च 2025 तक 5900 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का अनुमान लगाया गया था।
- 6 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची के नामकुम में आयोजित कार्यक्रम में 56.61 लाख महिला लाभुकों के खातों में दिसंबर माह की 1415.44 करोड़ रुपये की राशि भेजी थी।
- आधार लिंक की समयसीमा को बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है।

योजना की विशेषताएं

- योजना के तहत 59 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलेगा।
- आधार लिंक की समय सीमा को 31 मार्च 2025 तक बढ़ाया गया है।
- योजना के लिए 5225 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गयी है।
- फर्जी तरीके से लाभ लेने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करायी जायेगी।

अनचाही कॉल-संदेशों पर लग सकता है 10 लाख तक जुर्माना, ट्राई ने दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली।

परेशान करने वाले फोन कॉल व अनचाहे संदेशों पर नियमों के बार-बार उल्लंघन और ऐसे मामलों में स्पैम की गलत संख्या बताने वाली दूरसंचार कंपनियों पर दो से दस लाख रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई ने इस मामले में दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों पर शिकंजा कसा है। सभी दूरसंचार ऑपरेटरों को नियामक ने आदेश दिया कि वे रियल टाइम में संभावित स्पैमर्स की पहचान करें। ट्राई ने असामान्य रूप से उच्च कॉल वॉल्यूम, छोटी कॉल अवधि और इनकमिंग व आउटगोइंग कॉल अनुपात जैसे मापदंडों पर कॉल और एसएमएस पैटर्न का विश्लेषण करने का आदेश दिया है। दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियमन में संशोधन के साथ दंड का प्रावधान किया गया है।

आयकर विधेयक आज लोकसभा में होगा पेश, सरकार ने सूचीबद्ध किया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार बृहस्पतिवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश करेगी। आयकर कानून को समेकित एवं संशोधित करने मकसद से विधेयक को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

बुधवार को लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रसारित एजेंडा के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आयकर विधेयक, 2025 पेश करेंगी।

बहुप्रतीक्षित विधेयक में 'कर निर्धारण' और 'पिछले वर्ष' जैसी शब्दावली के स्थान पर 'कर वर्ष' शब्द का प्रयोग किया जाएगा। यह बदलाव भाषा को सरल बनाने के प्रयास का हिस्सा होगा। इसके साथ ही, इसमें प्रावधान और स्पष्टीकरण भी हटा दिए जाएंगे।

नए विधेयक में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह सिर्फ 622 पृष्ठों पर अंकित है। इसमें कोई नया कर लगाने की बात नहीं की गई है। यह विधेयक मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की भाषा को सरल बनाता है।

छह दशक पुराने मौजूदा कानून में 298 धाराएं और 14 अनुसूचियां हैं। जब यह अधिनियम पेश किया गया था, तब इसमें 880 पृष्ठ थे।

नया विधेयक आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के इरादे से तैयार किया गया है। दरअसल पिछले 60 वर्षों में किए गए संशोधनों के कारण मौजूदा आयकर अधिनियम बहुत बड़ा हो गया है। नया आयकर कानून एक अप्रैल, 2026 से लागू होने की उम्मीद है।

नए विधेयक में अनुषंगी लाभ (फ्रिंज बेनेफिट) कर से संबंधित अनावश्यक धाराओं को हटा दिया गया है। विधेयक के 'स्पष्टीकरण या प्रावधानों' से मुक्त होने की वजह से इसे पढ़ना और समझना आसान हो जाता है।

आयकर विधेयक से जुड़ी खास बातें

आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेने वाला आयकर विधेयक, 2025 बृहस्पतिवार को संसद में पेश किया जाएगा।

नए विधेयक की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:

- – आयकर विधेयक, 2025 में सरल भाषा का उपयोग किया गया है, अनावश्यक प्रावधानों को हटाया गया है, छोटे वाक्यों का उपयोग किया गया है।
- – विधेयक में कोई नया कर नहीं है। इसमें सिर्फ आयकर अधिनियम, 1961 में प्रदत्त कर-देयता प्रावधानों को एक साथ रखा गया है।
- – इसमें मात्र 622 पृष्ठों में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। जबकि 1961 के अधिनियम में 298 धाराएं, 23 अध्याय और 14 अनुसूचियां थीं।
- – नया कानून एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा; अधिनियम अधिसूचित होने के बाद नियम लागू किए जाएंगे।
- – इसमें व्यक्तियों, हिन्दू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और अन्य के लिए पुरानी कर व्यवस्था और नई कर व्यवस्था दोनों शामिल हैं।
- – नए विधेयक में 'कर वर्ष' का उपयोग किया है। इसमें 'पूर्व वर्ष' और 'आकलन वर्ष' जैसे जटिल शब्दों को हटाया गया है।
- – 'स्पष्टीकरण या शर्त' का उल्लेख नहीं किया गया है, इसके बजाय तालिकाओं और सूत्रों का उपयोग किया गया है।
- – विधेयक में करदाता चार्टर शामिल किया गया है, जो करदाताओं के अधिकारों और दायित्वों को बताएगा।
- – विधेयक में बाजार से जुड़े डिबेंचर के मामले में पूंजीगत लाभ की गणना के लिए विशेष प्रावधान किया गया है।
- – नियमों को सरल बनाने के मकसद से कुल आय का हिस्सा न बनने वाली आय को अनुसूचियों में स्थानांतरित किया गया है।
- – वेतन से कटौतियां जैसे मानक कटौती, ग्रेच्युटी, अवकाश न लेने के बाद नकद भुगतान आदि को अलग-अलग अनुभागों/नियमों में रखे जाने के बजाय एक ही स्थान पर सारणीबद्ध किया गया है।

न्यूज़ अपडेट

सैमसंग का "गैलेक्सी एम्पावर्ड" कार्यक्रम के तहत शिक्षकों को निःशुल्क मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

गुरूग्राम। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सैमसंग ने शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने के उद्देश्य से गैलेक्सी एम्पावर्ड नामक सामुदायिक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल का मकसद शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और प्रशासकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है, जिससे वे आधुनिक शिक्षण विधियों को अपनाकर शिक्षा को और प्रभावी बना सकें। 2008 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा की उपस्थिति में लॉन्च किए गए इस कार्यक्रम के तहत, शिक्षकों को नियमित ऑन-ग्राउंड और ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप नवाचार, तार्किक सोच और छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देगी। "गैलेक्सी एम्पावर्ड" कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को प्रमाणन कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, सैमसंग के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर विशेष छूट भी उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूलों के लिए यह पहल नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ उनकी प्रतिष्ठा को भी मजबूत करेगी। सबसे खास बात यह है कि यह पूरा कार्यक्रम निःशुल्क होगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर संस्थानों और शिक्षकों को भी नवीनतम तकनीक और शिक्षण संसाधनों तक पहुंच मिलेगी। सैमसंग का यह कदम शिक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाने और शिक्षकों को भविष्य की कक्षाओं के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

शशांक मिस्टर और रश्मिका बनी मिस शेन इंटरनेशनल

जमशेदपुर। शेन इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 12वीं के लिए विदाई समारोह तथा कक्षा 10वीं के लिए गुडलक पार्टी का आयोजन किया गया। आयोजन की शुरुआत प्राचार्या (अकादमिक) रमा श्रीनिवास, प्राचार्या (प्रशासनिक) पुष्पा भल्ला, उप प्राचार्या केया अदक, और मुख्य अध्यापिका सिमरन सग्गू ने दीप प्रज्जवलित करके किया। सभी छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया। कक्षा 9वीं और 11 वीं के छात्रों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 12 वीं की वर्ग शिक्षिका ने सभी छात्रों को शुभकामना संदेश दिया और जीवन में आगे बढ़ने को प्रोत्साहित किया। प्राचार्या रमा श्रीनिवास (अकादमिक) ने बच्चों को सच्ची लगन और परिश्रम से जीवन में नई ऊँचाइयाँ हासिल करने की शुभकामनायें और आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के दौरान 12 वीं के छात्रों द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया, एवं सभी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उप प्राचार्या और मुख्य अध्यापिका ने विद्यालय के मिस शेन, रश्मिका और मिस्टर शेन शशांक का नाम घोषित किया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्या (प्रशासनिक) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

देवघर पंचायत के ग्रामीणों ने की सड़क चौड़ीकरण करने की मांग

जमशेदपुर। देवघर पंचायत के ग्रामीणों ने जमशेदपुर के डीसी, एसडीओ और मानगो सीओ को ज्ञापन सौंपकर मुखिया डांगा चौक से देवघर होते हूए सिमुलडांगा चौक तक सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने और चौड़ीकरण की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क से नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी, संत एंथोनी स्कूल और आरबीएस कॉलेज के सैकड़ों बसें और निजी वाहन आते-जाते हैं। स्कूल टाइम में सड़क की संकीर्णता के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न होती है, जो मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में जानलेवा हो सकती है। इसके अलावा, दिन प्रतिदिन सड़क का अतिक्रमण हो रहा है। लोगों द्वारा सड़क से सटाकर घर, छज्जा, दुकान इत्यादि बनाए जा रहे हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई कम होती जा रही है और यातायात में परेशानी होती है। यह अतिक्रमण न केवल यातायात को प्रभावित करता है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए भी परेशानी का कारण बनता है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क के दोनों ओर पाँच- पाँच फीट चौड़ा कर सड़क का निर्माण किया जाए, जिससे यातायात की सुविधा बढ़ सके और स्थानीय लोगों को परेशानी से मुक्ति मिल सके उन्होंने आशा व्यक्त की है कि प्रशासन उनकी मांग पर जल्द से जल्द ध्यान देगा और सड़क का निर्माण शुरू करेगा।

नशीली दवा बेचने वाले पुरूषोत्तम को दो साल का कारावास

जमशेदपुर। एनडीपीएस के एक मामले में सुनवाई कर, रहे एडीजे -2 आभाष वर्मा की अदालत ने मंगलवार को आरोपी जुगसलाई के मेसर्स सरायवाला डिस्ट्रीब्यूटर के मालिक पुरूषोत्तम अग्रवाल को नशीली दवा बिक्री करने के आरोप में दो साल का कारावास की सजा सुनाई हैं। इस मामले में कुल छह लोगों की गवाही हुई हैं। घटना 29 मई 2015 की इस संबंध में औषधि निरीक्षक आलोक कुमार के बयान पर मामला दर्ज कराई गई थी। जिसमे बताया गया था कि जुगसलाई स्थित मेसर्स सरायवाला डिस्ट्रीब्यूटर के यहा छापेमारी कर अवैध रूप से नशीली दवा जैसे कोरेकस सिरप और अन्य दवा बरामद किया गया। उक्त दवा से संबंधित बिक्री बीजक से संबंधित विस्तृत विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया था। अदालत में व्यापारी के खिलाफ दोष साबित होने पर सजा दी गई।

जेईई मेन 2025 में नारायणा जमशेदपुर के छात्रों को मिली शानदार सफलता

जमशेदपुर। साकची स्थित देश की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कोचिंग संस्थान 'नारायणा आईआईटी/नीट एकेडमी, जमशेदपुर' के छात्रों ने जेईई (मेन) जनवरी 2025 में शानदार प्रदर्शन किया। संस्थान के निदेशक श्याम भूषण ने बताया कि ऑल इंडिया से 100 परसेंटाइल प्राप्त करने वाले पांच छात्र नारायणा के हैंकृ वाणी ब्रत माजी, आयुष सिंघल, विषाद जैन, कुशाग्र गुप्ता और शिवेन विकास तोसनीवाल। उन्होंने आगे बताया कि नारायणा जमशेद्पुर सेंटर से 90 परसेंटाइल से अधिक स्कोर करने वाले 88 छात्र हैं, और यह संख्या बढ़ने की संभावना है। 97 परसेंटाइल से अधिक स्कोर करने वाले कुछ प्रमुख छात्र हैंः- उज्जवल आदित्य (99.98), ध्रुव एच. बदोदरिया (99.87), अश्विनी कुमार (99.84), इमरान वकील (99.80), आदित्य प्रभात (99.78), मयंक गुप्ता (99.69), दिव्यांशु समल (99.30), जयंत (98.93), गुरवंश सिंह (98.93), प्रियांशु सिंह (98.90), आदित्य कुमार (98.88), अनुभव सेन (98.79), उत्कर्ष कुमार (98.56), मो. जीशान (98.48), मयंक कुमार (98.47), साहिल गौतम (97.53), अनुराग सेनगुप्ता (97.18), भाव्या श्री (97.07)। निदेशक श्याम भूषण ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि ये प्रतिभाशाली छात्र जेईई एडवांस 2025 में भी शहर के टॉपर बनेंगे। उन्होंने बताया कि नारायणा संस्थान बेहतरीन शिक्षकों, अनुशासित शैक्षणिक माहौल और संगठित कोर्स प्लानिंग के लिए जाना जाता है।

शॉर्टकट से पैसे कमाने समेत कई तरह के लालच देकर लोगों की गाढ़ी कमाई मिनटों में उड़ा देते हैं साइबर अपराधी- एसएसपी

कार्यशाला में ऑनलाइन पहचान सुरक्षित रखने तथा अनजाने लिंक, कॉल से बचने की दी गई सलाह

जमशेदपुर।

जिला उपायुक्त अनन्य मितल के निर्देशानुसार ''सुरक्षित इंटरनेट दिवस'' पर कार्यशाला का आयोजन करीम सिटी कॉलेज परिसर में किया गया। कार्यशाला में प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारी के अलावा कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक एवं छात्र-छात्रायें शामिल हुए। वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, प्राचार्य करीम सिटी कॉलेज समेत अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। राष्टीय सूचना विज्ञान केंद्र, पूर्वी सिंहभूम के तत्वधान में आयोजित कार्यशाला में इंटरनेट का उपयोग, साइबर क्राइम से बचने के तरीके, साइबर क्राइम के विरूद्ध कानूनी प्रक्रिया आदि को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई। वरीय पुलिस अधीक्षक ने कार्याशाला को संबोधित करते हुए कहा कि इंटरनेट ने हमारी

लाइफस्टाइल आसान बना दी है, परंतु हमें सावधान और सतर्क रहकर इंटरनेट का उपयोग करना चाहिए। शॉर्टकट से पैसे कमाने और विभिन्न तरह के लालच में पड़कर लोगों की गाढ़ी कमाई मिनटों में चली जाती है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी नए नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगने की कोशिश करते हैं जिसमें डिजिटल अरेस्ट, अधिक रिटर्न का लालच देकर निवेश करना, विभिन्न तरह के ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म इत्यादि शामिल है। उन्होने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सुरक्षित तरीके से पैसे का ट्रांजेक्शन करने, सार्वजनिक स्थानों पर मोबाइल चार्जिंग, सार्वजनिक वाईफाई का इस्तेमाल नहीं करने, बिना जाने समझे अनजान लोगों के साथ रकम की लेनदेन नहीं किए जाने, अनजान नंबर से आने वाले व्हाट्सएप कॉल एवं व्हाट्सएप वीडियो कॉल तथा इंटरनेशनल कॉल को रिसीव नहीं करने एवं स्वयं जागरूक होकर अपने परिवार को भी जागरूक करने पर बल दिया। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर ने कहा कि जैसे हम घर में सफाई करते है ठीक वैसे ही हमें अपने और हमारे आस पास की साईबर स्वच्छता जरुरी है। कभी भी डिजिटल अरेस्ट की बात सुनकर भयभीत नहीं होना है, पैसा इन्वेस्ट कर अधिक रिटर्न देने वालों की जाल में नहीं फंसना है। अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम ने कहा कि साईबर अपराध के जाल में किसी भी उम्र के व्यक्ति फंस सकते हैं, लेकिन अपनी समझ से काम लेते हुए ऐसे ठगी से दूर रहे। सेफर इंटरनेट डे का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना है, लेकिन ऑनलाइन बच्चों और युवाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाना भी है। सयुंक्त निदेशक (आईटी) सह जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी ने साइबर फ्रॉड से बचने की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से पहले उसके डोमेन की जांच करना बेहद जरूरी है। फर्जी साइटों से बचने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी भी एसएमएस के माध्यम से प्राप्त लिंक को खोलने से पहले उसकी जांच - पड़ताल कर लेनी चाहिए। कार्यशाला में इंटरनेट का उपयोग करते समय अन्य महत्वपूर्ण सावधानियाँ बरतने की अपील की गई। साइबर फ्रॉड होने पर 1930 नंबर पर कॉल करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शीघ्र शिकायत दर्ज कराने और ट्रांजेक्शन ब्लॉक कराने की बात बताई गई। अनजान लोगों के साथ ओटीपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड या बैंक की अन्य जानकारी साझा नहीं करने, अनजान नंबरों से आने वाली लिंक पर क्लिक नहीं करने, अनजान लोगों से पेमेंट पाने के लिए क्यू.आर. कोड स्कैन नहीं करने व ओटीपी या पिन साझा नहीं करने, बैंक ट्रांजैक्शन करते समय सार्वजनिक वाईफाई का इस्तेमाल नहीं करने सहित आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस, सोशल मीडिया, साइबर थ्रेटस, ऑनलाइन फ्रॉड, डीप फेक, व्हाट्सएप्प सिक्योरिटी, डिजिटल अरेस्ट सहित अन्य मुद्दे पर चर्चा की गई। साईबर सुरक्षा के कारण और रोकथाम हेतु सयुंक्त निदेशक (आईटी) सह जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, अपर जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक (साईबर), सहायक प्रोफेसर- एनआईटी कॉलेज, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर मनीष प्रसाद द्वारा तकनीकी टिप्स प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित जिला एवं प्रखंड सभी पदाधिकारी एवं कर्मी, प्रज्ञा केंद्र संचालक, छात्र, अभिभावक, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका सहायिका, पंचायत प्रतिनिधि को प्रशिक्षित किया गया।

मानगो नगर निगम ने बड़े बकायादारों को 10 दिन में टैक्स भुगतान का दिया अल्टीमेटम

जमशेदपुर।

नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश पर नगर आयुक्त, मानगो नगर निगम की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में होल्डिंग टैक्स बकायादारों से जल्द से जल्द बकाया कर वसूलने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, अवैध पानी कनेक्शनों को मीटर लगाकर वैध करने का आदेश दिया गया, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। नगर आयुक्त ने राजस्व संग्रहण प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि

निर्धारित समय में लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। पूर्व में भी कई बड़े बकायादारों को एसएएफ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन समय पर भुगतान न करने के कारण झारखंड नगरपालिका कर (संग्रहण, निर्धारण एवं वसूली) नियमावली 2015 के तहत आई मेजरमेंट कर डिमांड जनरेट किया गया। अब इन बकायादारों को फिर से नोटिस जारी कर 10 दिन के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। भुगतान न करने पर कानूनी कार्रवाई और खाते फ्रीज करने की चेतावनी दी गई है। बड़े बकायादारों के नाम एवं बकाया राशिः- विजय गौड़ (डिमना रोड) 29,03,794/-, अनंत लाल पात्रा (सुमन होटल) 2,78,411/-, अनंत लाल पात्रा (शक्ति इन होटल) 5,61,743/-, निशाकर गौड़ (सरस्वती भवन) 10,62,412/-, मृत्युंजय चौधरी (सागर साइकिल बिल्डिंग) 4,80,245/-, हेमंत कुमार चौधरी (इलेक्ट्रो मार्ट) 3,22,262/- हैं। बैठक में सहायक नगर आयुक्त आकिब जावेद, लेखा पदाधिकारी संजय उरांव, नगर प्रबंधक प्रदीप कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मिट जी के विद्यार्थियों ने जेइइ मैंन 2025 मे किया बेहतरीन प्रदर्शन

जमशेदपुर। झारखण्ड के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान मिट जी के विद्यार्थियों ने जेइइ मैंन 2025 मे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर संस्थान की उत्कृष्टता साबित की है। इस वर्ष मिट जी का सक्सेस रेट 99.68 रहा जो झारखण्ड मे सबसे अधिक है, संस्थान के 59 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से ऊपर अंक हासिल किया है जबकि 157 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से ऊपर अंक प्राप्त किया है, इस परीक्षा मे जिले के सुदूर पटमदा प्रखंड के छात्र अरिजीत मण्डल ने 99.65 प्रतिशत अंक हासिल कर जमशेदपुर टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है, संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया की विगत 25 वर्षो से संस्थान लोकल छात्रों पर फोकस कर बेहतर से बेहतर रिजल्ट दे रही है, और संस्थान के शिक्षकों और छात्रों के मेहनत का यह परिणाम है।

70 वर्षीया महिला पर जानलेवा हमला के आरोपी को तीन साल का कारावास

जमशेदपुर। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश -7 वैशाली श्रीवास्तव की अदालत ने 70 वर्षीया महिला टुस्टो वाला महतो को टांगी से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में आरोपी तुलसी महतो उर्फ टुसू महतो उर्फ अम्बुज महतो को अदालत ने मंगलवार को तीन साल का सश्रम कारावास और दो हजार रूपए का जुर्माना लगाई गई। इस मामले में अदालत के समक्ष कुल दस लोगों की गवाही हुई हैं। इस मामले महिला की बेटी वसंती महतो पति रविवार महतो ने बोड़ाम थाने में एफआईआर दर्ज करते हुए पुलिस को बताई थी कि उनकी पिता लाल मोहन की मृत्यु के बाद से उनकी मां टुस्को वाला महतो, दादी के साथ अकेली रहती थी।आरोपी अम्बुज हमेशा उनकी मां को देखकर गाली-गलौज करता था। घटना के दिन शाम 7.30 बजे शौच के लिए घर से थोड़ी दूर माधवपुर गई थी। आरोपी उसे मुंह में कपड़ा डालकर कुछ दूरी तक लेकर गया और जान से मारने की नीयत से टांगी से सर व शरीर के कई हिस्से में प्रहार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। टुस्टो वाला बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। उसे मृत समक्ष कर आरोपी अम्बुज महतो वहां से भाग गया था। सुबह तीन बजे जब होश आया तो वह किसी प्रकार घर पहुंचा और बेटी पबिता महतो को सूचना दिया। बेटी दामाद पहुंच कर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल लाया। जहां से बेहतर इलाज के लिए टीएमएच रेफर कर दिया। महिला का इलाज टीएमएच में हुआ था।

जमशेदपुर में अगले 72 घंटों तक मौसम रहेगा सामान्य, तापमान में मामूली बढ़ोतरी संभव

जमशेदपुर।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, झारखंड में अगले तीन दिनों तक मौसम सामान्य बना रहेगा। न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, हालांकि अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को राज्य के कई हिस्सों में तापमान में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। गुमला में सबसे कम 8.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि गढ़वा और खूंटी में क्रमशः 10.5 डिग्री और 10.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। राजधानी रांची में तापमान 16.7 डिग्री, जमशेदपुर में 13.6 डिग्री, डाल्टनगंज में 12 डिग्री और बोकारो में 11.6 डिग्री सेल्सियस

दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तरी पाकिस्तान में समुद्र तल से 3.1 किमी ऊँचाई पर स्थित पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण झारखंड में न्यूनतम तापमान में वृद्धि हो रही है। यह चक्रवाती प्रणाली हवा के प्रवाह को प्रभावित कर रही है, जिससे रातें अपेक्षाकृत गर्म बनी हुई हैं और तापमान में अचानक गिरावट नहीं हो रही। इस मौसमी बदलाव का लाभ राज्य के कृषि समुदाय को मिलेगा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि वर्तमान तापमान गेहूं और सरसों जैसी रबी फसलों के लिए अनुकूल रहेगा। हालांकि, किसानों को भविष्य के मौसम अपडेट पर नज़र रखने की सलाह दी गई है, क्योंकि अचानक बदलाव फसलों को प्रभावित कर सकता है। आईएमडी ने बुजुर्गों और बच्चों को सुबह और देर शाम हल्के ऊनी कपड़े पहनने की सलाह दी है। अगले 72 घंटों तक मौसम स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि कुछ इलाकों में हल्के बादल छाने या छिटपुट बूंदाबांदी होने की संभावना है। प्डक ने नागरिकों से दैनिक मौसम अपडेट पर नज़र बनाए रखने का आग्रह किया है।

टेल्को के जेम्को में सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्री की मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल

मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

जमशेदपुर।

टेल्को थाना क्षेत्र के जेम्को में मंगलवार और बुधवार के बीच की रात लगभग 01.30 बजे एक दिल दहला देने वाली घटना में पिता और पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका किशोर बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना तब हुई, जब वे जिस स्कूटी पर सवार थे, उसे जेम्को के गोल चक्कर के पास एक तेज रफ्तार भारी वाहन ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान 38 वर्षीय कृष्ण कुमार शर्मा और उनकी 19 वर्षीय बेटी अंजलि कुमारी के रूप में हुई है, जो परसुडीह के बारीगोड़ा इलाके के जनता पथ के निवासी हैं। जोजोबेरा स्थित एक सीमेंट प्लांट में काम करने वाले कृष्ण कुमार अपनी बेटी को टाटानगर रेलवे स्टेशन से लौट रहे थे, तभी यह घातक दुर्घटना हुई। दुखद बात यह है कि अंजलि को बुधवार को एक प्रतियोगी

परीक्षा के लिए रांची जाना था, लेकिन उसकी ट्रेन छूट गई और वह अपने पिता और छोटे भाई के साथ घर लौट रही थी, तभी यह दुर्घटना हुई। घटना के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सभी परिवारवालों का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बुधवार की सुबह पहले टेल्को थाना का घेराव कर दिया। इसके बाद बाद पुलिस के समझने पर सभी दुर्घटनास्थल पहुंचे और जेम्को सड़क का घेराव कर दिया। इस दौरान आक्रोशित लोगों की ओर से मृतकों के परिवारवालों को मुआवजा दिलाने की मांग की जा रही थी। जिसके बाद प्रशासन के काफी समझाने पर मामला शांत हुआ। सूत्रों के अनुसार, कृष्ण कुमार अपनी बेटी अंजलि और 17 वर्षीय बेटे विक्की कुमार के साथ सुबह-सुबह घर से निकले थे। अंजलि को टाटानगर स्टेशन से क्रियायोग एक्सप्रेस में सवार होकर रांची जाना था। लेकिन स्टेशन पहुंचने में देरी के कारण वह ट्रेन से चूक गई। इसके बाद तीनों स्कूटी से घर वापस लौट आए। यह दुर्घटना जेम्को गोल चक्कर के पास हुई, जब एक भारी वाहन, जो कि एक तेज रफ्तार ट्रक होने का संदेह है, ने उनके दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे यह भयावह टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्ण कुमार और अंजलि की मौके पर ही मौत हो गई। विक्की कुमार, जो कक्षा 9 का छात्र है, के पैरों में कई चोटें आईं और वह घटनास्थल पर गंभीर अवस्था में पड़ा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भारी वाहन का चालक दुर्घटना के तुरंत बाद पीड़ितों को सड़क पर ही छोड़कर भाग गया। स्थानीय पुलिस की एक गश्ती टीम मौके पर पहुंची और तीनों को एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने कृष्ण कुमार और अंजलि को मृत घोषित कर दिया। विक्की कुमार को आपातकालीन उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया क्योंकि उसके पैरों में गंभीर चोटें आई थीं। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, उसकी हालत स्थिर है लेकिन उसे कड़ी निगरानी में रखा गया है। टेल्को पुलिस ने हिट-एंड-रन का मामला दर्ज किया है और दुर्घटना में शामिल भारी वाहन का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। वे वाहन और उसके चालक की पहचान करने के लिए आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। टेल्को थाने के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम मामले की सक्रियता से जांच कर रहे हैं और सबूत जुटाने के लिए टीमें तैनात की हैं। इस दुखद घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक को बख्शा नहीं जाएगा।

न्यूज अपडेट

रांची के डोरंडा थाना में तैनात सिपाही की मौत

एजेंसीः रांची। राजधानी रांची के डोरंडा थाना में तैनात सिपाही गजेंद्र कुमार यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। वह मूल रूप से गोड्डा जिले के रहने वाले थे। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिससे मौत के सही कारणों का पता चल सके। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, गजेंद्र कुमार यादव लंबे समय से बीमार थे और कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे थे।

रांची में तापमान औसत से अधिक, रूलाएगी गर्मी

एजेंसीः रांची। राजधानी रांची में इस वर्ष भी गर्मी सताएगी। फरवरी माह में रांची में अधिकतम तापमान औसत से अधिक रिकॉर्ड की जा रही है। राजधानी में यदि पिछले चार दिनों की बात की जाए तो बुधवार को यहां का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो औसत से 2.5 डिग्री अधिक है। वहीं मंगलवार को 2.5 डिग्री अधिक, सोमवार को 3.8 डिग्री अधिक, जबकि रविवार को राजधानी में औसत तापमान 0.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस वर्ष रांची के अलावा राज्य के कई शहरों में अभी से ही तापमान में काफी बढोत्तरी दर्ज की जा रही है, जिसमें सरायकेला, चाईबासा, जमशेदपुर, डालटेनगंज प्रमुख रूप से शामिल है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि लगातार तापमान में बढोत्तरी से संभावना है कि इस वर्ष गर्मी ज्यादा पड़ेगी।उल्लेखनीय है कि पिछले साल भी रांची में प्रचंड गर्मी पडी थी, जिससे आम जन जीवन परेशान हो गया था।

पति की प्रताड़ना नहीं झेल पाई पुष्पा, कर ली खुदकुशी

एजेंसीः रामगढ़। रामगढ़ शहर के न्यू बगीचा कॉलोनी सौदागर मोहल्ला में पुष्पा शुक्ला की मौत से पर्दा उठ गया है। पुष्पा कई वर्षों से अपने पति छोटू शुक्ला की ओर से दी जा रही प्रताड़ना झेल रही थी। पुष्पा को उसके पति ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। शायद इसी प्रताड़ना की वजह से उसने खुदकुशी कर ली है। इन सारे तथ्यों का खुलासा तब हुआ जब पुष्पा शुक्ला का भाई ओमप्रकाश रामगढ़ पहुंचा। बुधवार को ओमप्रकाश ने पुष्पा की पिछले 15 वर्षों की कहानी बयां की है। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमेठी जिला अंतर्गत मुंशीगंज थाना के बहेलियापुर (सराय बरवंडा सिंह) के रहने वाले ओमप्रकाश ने बताया कि पुष्पा पिता दिवंगत चीनी प्रसाद वर्ष 2010 में ही अपने घर से भाग गई थी। ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि अक्टूबर 2010 में ही पुष्पा शुक्ला घर से भागी थी। हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अंबाजीत, शुक्ला खपिया निवासी छोटू शुक्ला ने बहला फुसलाकर उसे अपने साथ ले गया था। काफी खोजबीन के बाद पता चला कि छोटू कुमार शुक्ला और पुष्पा ने शादी कर ली है। वह दोनों साथ-साथ रह रहे हैं। काफी समय बीतने के बाद बीच-बीच में घर की महिलाओं से पुष्पा की बात होने लगी थी। कुछ वर्षों बाद पता चला कि छोटू शुक्ला, पुष्पा के साथ मारपीट करता है और उसे प्रताड़ित करता है। छोटू कुमार शुक्ला ने पुष्पा को जान से मारने की धमकी दी थी। पुष्पा एक माह पूर्व भी घर की महिलाओं से फोन पर रो कर बात कर रही थी और यह बताई थी कि कभी भी उसकी हत्या छोटू कर सकता है। उसे वह अनजान जगह पर भी रख रहा है। ओमप्रकाश ने बताया कि 10 फरवरी को रामगढ़ थाना प्रभारी ने उन्हें फोन कर पुष्पा की मौत की खबर दी। उन्हें पूरा विश्वास है कि शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की वजह से ही पुष्पा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उसकी मौत के पीछे छोटू कुमार शुक्ला का हाथ है। उन्होंने पुलिस से छोटू शुक्ला एवं अन्य के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

कुंभ मेले में गया परिवार, चोरों ने तोड़ दिया घर का ताला

एजेंसीः रामगढ़। रामगढ़ शहर के मुर्गामकला में कुंभ मेले में गए एक परिवार के घर को चोरों ने निशाना बनाया। घर का ताला तोड़कर अलमारी से लाखों रुपए के जेवर, नगद और जमीन के दस्तावेज चोरी कर ले गए। इस मामले में घर के मालिक मिथिलेश कुमार के भाई दामोदर महतो ने बुधवार को रामगढ़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दामोदर महतो ने पुलिस को बताया कि उनका भाई मिथिलेश कुमार अपने परिवार के साथ कुंभ मेले में गया हुआ था। 11 फरवरी की रात दो चोर उस घर में घुसे और अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए की संपत्ति चोरी कर ले गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी 80 वर्षीया मां सालखो देवी ने दोनों चोरों को भागते हुए भी देखा। दामोदर महतो ने पुलिस को बताया कि देर रात जब टूटने फूटने की आवाज आई तो उनकी मां सालखो देवी ने दो चोरों को भागते हुए देखा। उन्होंने शोर मचाया तो कई लोग वहां जुट गए। घर के अंदर जब लोगों ने प्रवेश किया तो देखा की मुख्य द्वार का कुंडी टूटा हुआ है और बेडरूम में अलमीरा भी खुला हुआ है। बाद में जब मिथिलेश कुमार से फोन पर बात हुई तो पता चला कि सोने और चांदी के जेवर के साथ-साथ 15 हजार नगद और जमीन के मूल दस्तावेज चोरी हो गया है।

रांची में पांच लाख की लूट, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसीः रांची। रांची के तमाड़ में बुधवार को अज्ञात तीन अपराधियों ने दिनदहाड़े पांच लाख रुपये लूट कर फरार हो गये। लूट की वारदात को एसबीआई के सीएससी संचालक के तमाड़ सेंटर पर अंजाम दिया गया है। सीएससी संचालक शिवचरण महतो ने बताया कि वह हर दिन की तरह बुधवार को सेंटर खोल कर अंदर बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन अपराधी उनके सेंटर में आ धमके और आते ही उन्होंने सबसे पहले सेंटर का दरवाजा बंद कर दिया। फिर उनके साथ मारपीट करते हुए काउंटर में रखे करीब पांच लाख रुपये लूट लिए और मौके से फरार हो गए। शिवचरण ने बताया कि अपराधियों के भागने के बाद वह तुरंत तमाड़ थाने पहुंचे और पुलिस को मामले की पूरी जानकारी दी, हालांकि जब तक पुलिस की टीम मौके पर पहुंचती तीनों अपराधी फरार हो चुके थे। मामले में शिवचरण के बयान पर एफआईआर दर्ज की गई है। लूटपाट की वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस की टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश कर रही है। इसके अलावा रांची-टाटा रोड से गुजरने वाली सभी सड़कों पर चेक पोस्ट स्थापित कर तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि अज्ञात अपराधियों ने सीएससी में लूट की घटना को अंजाम दिया है। जानकारी मिलने पर पुलिस अपराधियों की तलाश में जुटी हुई है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

एयरो इंडिया में संजय सेठ ने किया नौसेना के सेमिनार का उद्घाटन

- **रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण में नौसेना ने बड़ी छलांग लगाई**
- **60 जहाजों का शिपयार्ड में निर्माणाधीन होना, भारत की बड़ी उपलब्धि।**
- **मित्र देशों के साथ साझेदारी से और सशक्त हो रही नौसेना**

बेंगलुरु/रांची।

बेंगलुरु में आयोजित एयरो इंडिया में आज तीसरे दिन भारतीय नौसेना के द्वारा आयोजित सेमिनार का उद्घाटन रक्षा राज्यमंत्री श्री संजय सेठ ने किया। इस सेमिनार का आयोजन आत्मनिर्भर भारतीय नौसेना विमानन -2047 प्रौद्योगिकी रोडमैप विषय पर किया गया। इस अवसर पर रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए नौसेना द्वारा रक्षा निर्माण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य और इनकी प्रतिबद्धताएं प्रशंसनीय हैं। यह बहुत ही सुखद और बड़ी बात है कि भारतीय शिपयार्ड में 60 जहाज निर्माणाधीन हैं। यह भारतीय नौसेना की बड़ी उपलब्धि है। माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में मेक इन इंडिया में अग्रणी रहने व आत्मनिर्भरता के साथ रक्षा उत्पादों को बढ़ाने की दिशा में रक्षा मंत्रालय का हर कार्य और प्रयास सराहनीय है।

श्री सेठ ने कहा कि विमानवाहक पोत, छोटे गश्ती जहाज, पनडुब्बियों के साथ अन्य रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण में नौसेना ने एक बड़ी छलांग लगाई है। यह रक्षा क्षेत्र में भारत की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह गौरव करने वाली उपलब्धि है कि भारतीय नौसेना के साथ दुनिया के कई मित्र देश अपनी साझेदारी निभा रहे हैं। भारत के आर्थिक पुनरुत्थान, सरकार की पहल और रक्षा उत्पादों को बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण विगत एक दशक में नौसेना ने किया है। भारत दुनिया के साथ अनुसंधान, विकास और रक्षा उत्पादन में संयुक्त साझेदारी के साथ काम कर रहे हैं। नौसेना के ये कार्य व उपलब्धियां अद्वितीय हैं। आने वाले दिनों में भारतीय नौसेना मेक इन इंडिया के साथ रक्षा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी यह विश्वास हम सबको है। इस अवसर पर नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, एडमिरल जे०बी० सिंह सहित नौसेना के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

कई देशों के रक्षा मंत्री व रक्षा प्रतिनिधियों से मिले संजय सेठ

रांची/बेंगलुरु। एरो इंडिया 2025 में 81 देशों के 162 से अधिक प्रतिनिधि अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। इस कार्यक्रम में विभिन्न देशों के 15 रक्षा मंत्री, 11 उप रक्षा मंत्री, 15 सचिव, 17 सेवा प्रमुखों ने अपनी सशक्त भागीदारी निभाई है।

आज रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने आर्मेनिया के उप रक्षा मंत्री, चाड के सेवा प्रमुख और रक्षा मंत्रालय के निदेशक, श्रीलंका के रक्षा सचिव, फ्रांस के रक्षा प्रतिनिधि, वेनेजुएला के उप मंत्री सहित कई देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद रक्षा राज्य मंत्री ने बताया कि एयरो इंडिया 2025 कार्यक्रम रक्षा के क्षेत्र में दुनिया में भारत के बढ़ते प्रभाव का परिचायक है। भारत की कई देशों के साथ रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ी है। प्रधानमंत्री से नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी के कुशल नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में नित्य नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कर्मयोग के सच्चे उपासक रहे संत रविदासः बाबूलाल मरांडी

संत रविदास जी की जयंती भाजपा कार्यालय में मनाई गई

रांची ।

वृहस्पतिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में माघ पूर्णिमा पर संत रविदास जयंती मनाई गई। अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित मोर्चा के कार्यकर्ता ,पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। सभी ने संत रविदास के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया।

प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि संत रविदास जी कर्म योग के सच्चे उपासक थे। रविदास जी भक्ति मार्ग केलिए अपने कर्म को शुद्ध पवित्र बनाकर ईश्वर के चरणों में अर्पित करना ही भक्ति मानते थे।

उन्होंने मन और विचार की शुद्धि पर जोर दिया तथा बा' आडंबरों से दूर रहने की प्रेरणा दी। *संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह* ने कहा संत रविदास जी ने रविदासिया पंथ की स्थापना की थी। इन्हें संत शिरोमणि की उपाधि दी गई थीं।संत रविदास बेहद धार्मिक स्वभाव के थे।वे भक्तिकालीन संत और महान समाज सुधारक थे। उन्होंने भगवान की भक्ति में समर्पित होने के साथ-साथ अपने सामाजिक और पारिवारिक कर्तव्यों का भी बखूबी निर्वहन किया। संत रविदास जी ने लोगों को बिना भेदभाव के आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी और इसी तरह से वे भक्ति के मार्ग पर चलकर संत रविदास कहलाए। संत रविदास जी अपना अधिकांश समय भगवान की पूजा में लगाते थे और धार्मिक परंपराओं का पालन करते हुए, उन्होंने एक संत का दर्जा प्राप्त किया। 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' रविदास जी का ये दोहा आज भी प्रसिद्ध है। रविदास जी का कहना था कि शुद्ध मन और निष्ठा के साथ किए काम का हमेशा अच्छा परिणाम मिलता है।

इस मौके पर पूर्व विधायक रामचंद्र नायक,सीमा पासवान,शिवपूजन पाठक,हेमंत दास,आरती सिंह,जोगेंद्र लाल,राजीव राज लाल,राकेश राम,संदीप कुमार,सुचिता सिंह,पंकज सिन्हा,लक्ष्मीचंद्र दीक्षित ,संजय जायसवाल एवं अन्य ने भी पुष्प अर्पित किया।

आयुष्मान योजना को लेकर हेमंत सरकार ले रही अव्यवहारिक फैसले : बाबूलाल

एजेंसीःरांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की धरती से विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत की शुरुआत की थी, लेकिन अब झारखंड सरकार की एक अव्यवहारिक फैसले ने आमजनों के लिए समस्याएं उत्पन्न कर दी हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत झारखंड सरकार ने नया नियम जारी किया है, जिसमें केवल 50 बेड (शहरी) और 30 बेड (ग्रामीण) वाले निजी अस्पताल ही योजना में शामिल होंगे। इससे सैकड़ों छोटे अस्पताल बाहर हो जाएंगे, जिससे गरीब मरीजों को इलाज में दिक्कत होगी। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां छोटे अस्पतालों पर निर्भरता ज्यादा है, मरीजों को महंगे और दूर के बड़े अस्पतालों में जाना पड़ेगा। इससे स्वास्थ्य सेवाएं गरीबों के लिए और सीमित हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार करें और इसे तुरंत वापस लें, ताकि कोई भी व्यक्ति आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित न हो। उन्होंने कहा कि अगर कहीं गड़बड़ी हो रही है, तो उसकी जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें।लेकिन ऐसा आदेश न दें जिससे किसी को आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित होना पड़े। वहीं दूसरी ओर मरांडी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर उन्हें नमन किया है। उन्होंने अपने ज्ञान, कर्म, समानता और भाईचारे के पवित्र भाव से जीवन जीने की शिक्षा देने वाले संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती पर सादर नमन किया है।

कांग्रेस ने गुरु रविदास की 648 वीं जयंती मनाई

एजेंसीःरांची

संत शिरोमणि गुरु रविदास की 648 वीं जयंती कांग्रेस भवन रांची में बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की ओर से केदार पासवान की अध्यक्षता में मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गुरु रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि गुरु रविदास से हमें सीखने की आवश्यकता है। खासकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को उनके विचारों के अनुसार संगठित होकर समाज में आगे बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। आज अनुसूचित जाति के लोगों को अपने बारे में सोचने की आवश्यकता है,समाज का अन्य वर्ग उन्हें आगे बढ़ना चाहता है लेकिन कोशिश उन्हें स्वयं करना होगा। समाज के मुख्य धारा में आगे रखने के लिए संविधान में उन्हें अधिकार प्रदान किए गए हैं उन अधिकारों के बारे में उन्हें जानना होगा, संगठन को मजबूत बनाने के लिए समाज के बीच जाना होगा और उन्हें जागरूक करना होगा। कांग्रेस हमेशा से दलित वर्ग के उत्थान के लिए आवाज उठाती है, कांग्रेसनीत सरकारों में कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की गई थी जिसने अनुसूचित जाति समाज के आर्थिक स्तर को मजबूत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि संत रविदास की जयंती समाज में उनके योगदान को याद करने का अवसर है यह समाज में समानता प्रेम और भाईचारे को बढ़ाने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन सीखाता है कि हमें जाति, धर्म और समाज के हर वर्ग से ऊपर उठकर एकता और प्रेम में विश्वास करना चाहिए। अनुसूचित जाति के अंदर 66 उपजातियां आती हैं और हम एक होने की जगह इन्हीं उपजातियों में विभक्त होकर रह गए हैं। विभाजन का परिणाम है कि संविधान में अधिकार मिलने के बाद भी हमारी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है। अधिकारों के व्यापक संघर्ष के लिए एकजुटता आवश्यक है। कार्यक्रम को विधायक सुरेश बैठा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से रविंद्र सिंह, राजीव रंजन प्रसाद, संजय लाल पासवान, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, किशोर शाहदेव, निरंजन पासवान, सोनाल शांति रियाज, अहमद विनय सिन्हा, दीपू कमल ठाकुर, अमूल्य नीरज खलको, जगदीश साहू सहित अन्य शामिल थे।

शादी समारोह में फायरिंग से घायल युवक के पिता ने जताई नाराजगी, बोले- निर्दोषों को फंसाया जा रहा

एजेंसीःरांची

धुर्वा थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास हुई फायरिंग में घायल गुलशन पांडे का इलाज पारस अस्पताल में चल रहा है। उसे पीठ में गोली लगी थी, जो निकाल दी गई है. और अब उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घायल युवक के पिता संतोष पांडेय ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि पुलिस ने निर्दोष युवकों को पकड़ रखा है। उन्होंने कहा कि गोलू, रवि, रोहित और अंशु को जबरदस्ती हिरासत में लिया गया है, जबकि इन्हीं लोगों ने मेरे बेटे को उठाकर अस्पताल पहुंचाया था। ये सभी मेरे पड़ोसी हैं और काफी मददगार भी हैं। उल्लेखनीय है कि 10 फरवरी की देर रात धुर्वा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान डांस करने के दौरान गुलशन पांडेय उर्फ मेडी को गोली लग गई थी। अचानक हुई इस फायरिंग से समारोह में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजद लोगों के अनसार, कई लोग डांस कर रहे थे, तभी फायरिंग की आवाज आई और गुलशन घायल होकर गिर पड़ा। हालांकि, गोली किसने चलाई, यह कोई नहीं देख पाया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ जारी है।

पुलिस ने अफीम की खेती को किया नष्ट

एजेंसीःचतरा

पुलिस और प्रशासन की टीम ने पन्द्रह दिनों के भीतर अफीम माफियाओं के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रही है। गुप्त सूचना के आधार पर सीओ विजय दास और थाना प्रभारी उमेश उरांव के संयुक्त नेतृत्व में गठित पुलिस एवं वन विभाग की टीम ने टंडवा-बालूमाथ थाना क्षेत्र के सीमांत पर स्थित मारंगलोईया के जंगली इलाके में करीब एक एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट कर दिया है। सीओ ने बताया कि अफीम की खेती के दुष्प्रभाव को लेकर लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के बावजूद भी कुछ लोगों के द्वारा अफीम की खेती गई थी। इसकी सूचना के बाद यह कार्रवाई की गई।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मांडर रेफरल अस्पताल नजीर साबित होगाः कृषि मंत्री

एजेंसीःरांची

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने बुधवार को मांडर रेफरल अस्पताल के नये भवन का उदघाटन किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि इस रेफरल अस्पताल ने ना जाने कितने लोगों को नया जीवन दिया। समय के साथ अस्पताल भवन का भी कायाकल्प जरूरी था। जब से मांडर की जनता ने मुझे अपना जनप्रतिनिधि चुना, तब से अस्पताल परिसर को नया रूप, नया जीवन देने के प्रयास में लगी थी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में मांडर रेफरल अस्पताल नजीर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज नौ करोड़ 21 लाख 15 हजार रुपए से ज्यादा की लागत से नवनिर्मित भवन सबके सामने है। मांडर रेफरल अस्पताल स्वास्थ्य के क्षेत्र में नजीर साबित होगा। इस रेफरल अस्पताल के साथ भले ही मांडर का नाम जुड़ा हो, पर हकीकत ये है कि इस अस्पताल में खलारी, बुड़मू, चान्हो जैसे सीमावर्ती प्रखंड और उसके गांव के लोग बेहतर इलाज के लिए यहां रोजाना आते है। अस्पताल के नये भवन के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य के लिए उपकरण की भी व्यवस्था जरूरी है। आज लोग गंभीर बीमारियों के लिए भले ही बड़े अस्पताल या बड़े शहरों की तरफ रुख करते हो, पर कोशिश ये होनी चाहिए की गंभीर बीमारी को छोड़ बाकी का इलाज इसी अस्पताल में हो सके ।<मंत्री ने कहा कि अगर आप और हम स्वस्थ रहेंगे, तभी स्वस्थ समाज का भी निर्माण संभव है। मेरा इस रेफरल अस्पताल को समय के साथ अपग्रेड करने का प्रयास आगे भी जारी रहेगा। मंत्री ने बुढ़ा खुखरा स्थित सरकारी हाई स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य मेले में भी भाग लिया। मंत्री के सौजन्य से इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया था । इस स्वास्थ्य मेले में हड्डी रोग, नेत्र रोग, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों निःशुल्क परामर्श दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। दिन भर इस स्वास्थ्य मेले में लोगों का आना जाना लगा रहा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की वंडरलैंड स्कूल मांडर के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुई। यहां स्कूली बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से वो प्रभावित भी हुई। उन्होंने स्कूली बच्चों से मन लगा कर पढ़ने और भविष्य में कुछ बन कर दिखाने की अपील की।

सुविचार

जो व्यक्ति हर वक्त दुख का रोना रोता है, उसके द्वार पर खड़ा सुख बाहर से ही लौट जाता है।

'सब्ज बाग' की सच्चाई

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अवैध मार्गों से लोगों को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई करने की जो घोषणा की है, वह स्वागत-योग्य है। अगर यह कार्रवाई पूरी ईमानदारी और दृढ़ता से होती है तो इससे कई लोगों का भविष्य अंधकारमय होने से बच जाएगा। वास्तव में ऐसी कार्रवाई बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में ऐसे कथित एजेंट मौजूद हैं, जिन्होंने विदेश में खुशहाल ज़िंदगी के सब्ज बाग दिखाकर बहुत लोगों को संकट में धकेल दिया। इसके तहत गांवों या छोटे शहरों के भोलेभाले नौजवानों के सामने विदेश में कमाई की ऐसी तस्वीर पेश की जाती है, जिससे वे अपना वतन छोड़कर जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि 'भारत में रहकर जितनी मेहनत कर रहे हैं, उतनी वहां करेंगे तो कई पीढ़ियों के ठाठ हो जाएंगे ... उधर तो मौज ही मौज है ... बैंक अकाउंट में जमकर डॉलर बरसेंगे तो गांव में कोठी बनते देर नहीं लगेगी ... पड़ोसी और रिश्तेदार आगे-पीछे घूमेंगे ... हमने फलां शख्स को भेजा था, वह आज करोड़ों में खेल रहा है!' ये लोग उन देशों से जुड़ीं नकारात्मक बातें बिल्कुल नहीं बताते। कई नौजवान जो वहां पहुंचने की कोशिश में परिवार की जमा-पूंजी गंवा चुके हैं, उन्हें इस बात को लेकर अंधेरे में रखा गया कि अवैध मार्गों से जाने में गंभीर जोखिम है। इस कोशिश में लोगों की मौत तक हो जाती है। हर साल अवैध मार्ग से यूरोप या अमेरिका जाने वाले कितने ही लोग या तो माफिया के हाथों मारे जाते हैं या उनकी नाव डूब जाती है।

इन नौजवानों को माफिया के लोग कदम-कदम पर ब्लैकमेल करते हैं। उन्हें 'आगे पहुंचाने' के लिए धन की मांग की जाती है। जब वे कहते हैं कि हमने तो पहले ही पूरी रकम चुका दी, तो यह कहकर धमकाया जाता है कि अगर धन नहीं देंगे तो किसी जंगल या सुनसान जगह पर छोड़ देंगे, उसके बाद कुछ भी हो सकता है। कई नौजवान अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि उन्होंने खाने के लिए सब्जी-रोटी मांगी तो यह कहते हुए बुरी तरह पिटाई हुई कि जो खाना दे रहे हैं, वह चुपचाप खा लें। कुछ महिलाएं भी बेहतर ज़िंदगी की उम्मीद के साथ इन अवैध मार्गों से अमेरिका जाने की कोशिश करती हैं। उनके साथ माफिया के लोग ज्यादा बुरा बर्ताव करते हैं। चूंकि कई दिनों तक समूह में चलने से लोगों के बीच आत्मीयता का एक रिश्ता बन जाता है। जब कभी माफिया के लोग किसी की पिटाई करते हैं, अभद्र शब्द बोलते हुए गुस्सा जाहिर करते हैं तो समूह के बाकी लोग चाह कर भी उनका विरोध नहीं कर पाते। वे बेहद मजबूर होते हैं, इसलिए सबकुछ देखकर भी अनदेखा करते हैं। अगर कोई हमदर्दी जताता है तो माफिया के लोग उसकी पिटाई करते हैं। अपमान के घूंट पीने के बाद अगर आगे सही-सलामत पहुंच गए तो इसका यह मतलब नहीं है कि वहां ज़िंदगी आसान हो जाएगी। जो लोग गलत तरीके से अमेरिका पहुंचकर किसी तरह नौकरी हासिल कर लेते हैं, उन्हें वहां न्यूनतम मजदूरी से बहुत कम रकम दी जाती है। चूंकि नियोक्ता को पता होता है कि यह शख्स अवैध मार्ग से आया है, इसलिए कम मजदूरी की शिकायत करेगा तो खुद फंसेगा। भारत में 40 लाख, 60 लाख और एक करोड़ रुपए एजेंटों को थमाने के बाद गलत तरीके से अमेरिका आए लोगों की ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा तो पिछला कर्ज चुकाने में चला जाता है। पकड़े जाने का खतरा बना रहता है सो अलग! विदेश में इस पीड़ा, अपमान और शोषण के बाद मिली 'चुपड़ी रोटी' से बहुत बेहतर है- अपने देश की 'दाल और सूखी रोटी'। ऐसे एजेंटों से दूर रहने में ही भलाई है। इनके 'सब्ज बाग' की सच्चाई जानें। अपनी कमाई न लुटाएं।

ट्वीटर टॉक

पर्यटन भवन में राजस्थान पर्यटन प्रोत्साहन नीति और फिल्म प्रोत्साहन नीति पर आयोजित बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उठाए जाने वाले कदमों और फिल्म नीति में संभावित सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया।

-दीया कुमारी

आज केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और एडवांस्ड स्टडी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एशिया के दो दिनी कॉन्फ्रेंस मानसून का नई दिल्ली में उद्घाटन किया।भारत ने विश्व को समृद्धि के साथ सांस्कृतिक ज्ञान भी दिया। आज भी हम विश्व मित्र की तरह अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत श्री सत्येन्द्र दास जी का देहावसान अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें, तथा शोकाकुल अनुयायियों को संबल प्रदान करें।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

श्रम का पुरस्कार

बहुरूपिया राजा के दरबार में बोला, 'राजन, मुझे पांच रुपये का दान दे दीजिए।' राजा ने कहा, 'हम कलाकार को पुरस्कार देते हैं पर दान कभी नहीं।' 'मुझे अपनी कला दिखाने हेतु तीन दिन का समय दीजिए' -वह बोला। अगले ही दिन नगर में कोई सिद्ध साधु मौन मुद्रा में समाधि लगाकर बैठ गया। भीड़ उमड़ पड़ी। साधु के आगे फल, फूल, मेवा, मिठाई के ढेर लग गये।

पर साधु पत्थर के बुत की तरह अचल बैठा रहा। दूसरे रोज़ प्रधानमंत्री ने अशरफियों के थाल उसके आगे रखे, पर साधु स्थिर रहा। तीसरे दिन राजा व रानी ने खुद आकर संत के पांवों में स्वर्ण मुद्राएं रख दी, किंतु वह तब भी अटल रहा। चौथे दिन बहुरूपिये ने दरबार में आकर अपने स्वांग का बखान किया और अपने इनाम के पांच रुपये मांगे। राजा बोले, 'अरे मूर्ख, स्वर्ण मुद्राएं तेरे पांवों में पड़ी रहीं पर तूने पलक उठाकर नहीं देखा और अब तू केवल पांच रुपये चाहता है।' बहुरूपिया बोला, 'राजन, तब मैंने साधु के वेश की लाज रखी थी। अब मैं अपने श्रम का इनाम मांगता हूं।'

सामयिक

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा।

यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

मंथन

हास्य के नाम पर मर्यादा लांघने का लाइसेंस नहीं

भारत में हास्य और व्यंग्य की परंपरा सदियों पुरानी है। यह न केवल मनोरंजन का साधन रहा है, बल्कि समाज में व्याप्त विकृतियों और विसंगतियों पर तीखा प्रहार करने का एक सशक्त माध्यम भी रहा है। हिंदी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिशंकर परसाई, शरद जोशी और काका हाथरसी जैसे लेखकों ने हास्य-व्यंग्य की परंपरा को समृद्ध किया, तो मंचीय कवियों में सुरेंद्र शर्मा और शैल चतुर्वेदी जैसे नाम लोकप्रिय हुए। इसके बाद फिल्म और टेलीविजन के दौर में जॉनी वॉकर, महमूद, राजू श्रीवास्तव, सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा जैसे कलाकारों ने हास्य को जन-जन तक पहुँचाया। लेकिन बीते कुछ वर्षों में, विशेषकर सोशल मीडिया और स्टैंड-अप कॉमेडी के उभार के साथ, एक नई प्रवृत्ति सामने आई है-हास्य के नाम पर बढ़ती हुई अश्लीलता। रणवीर इलाहाबादी जैसे कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन का विवाद इस प्रवृत्ति का सबसे ताज़ा उदाहरण है।

हास्य का उद्देश्य केवल हँसी-मज़ाक करना नहीं होता, बल्कि वह समाज में तनाव कम करने, लोगों को जोड़ने और मानवीय संवेदनाओं को हल्का करने का एक महत्वपूर्ण साधन भी होता है। भारतीय हास्य परंपरा हमेशा सभ्यता और शालीनता के दायरे में रही है। चाहे वह हरिशंकर परसाई की व्यंग्यात्मक शैली हो या राजू श्रीवास्तव के सामाजिक मुद्दों पर आधारित चुटकुले, इनमें कहीं भी अश्लीलता, द्विअर्थी संवाद या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं था। इसके बजाय, ये हास्य कलाकार समाज की कमजोरियों को इस तरह उजागर करते थे कि लोगों को अपनी ही कमियों पर हँसने की प्रेरणा मिलती थी। लेकिन आज के दौर में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन हास्य को सिर्फ एक भौंडे मज़ाक में बदल रहे हैं, जिसमें मर्यादा, शिष्टता और नैतिकता को दरकिनार कर दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टैंड-अप कॉमेडी का एक नया स्वरूप उभरा है, जिसमें कलाकार मंच पर खड़े होकर अपनी व्यक्तिगत ज़िंदगी, सेक्स, रिश्तों और राजनीति पर तीखे कटाक्ष करते हैं। हालांकि यह शैली पश्चिमी देशों में अधिक प्रचलित रही है, लेकिन भारत में भी इसे तेजी से अपनाया जाने लगा है। कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन, दर्शकों को हँसाने के लिए अपशब्दों, गालियों और सेक्सुअल कंटेंट का सहारा लेने लगे हैं। वे मानते हैं कि जब तक वे चौंकाने वाली बातें नहीं कहेंगे, तब तक लोग हँसेंगे नहीं। रणवीर इलाहाबादी का मामला इसी कड़ी में जुड़ा है, जहाँ उन पर लोगों के भावनाओं को ठेस पहुँचाने और अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप लगे हैं। यह विवाद इस बात को दर्शाता है कि समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की कॉमेडी को अनुचित मानता है। भारत एक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील देश है। यहाँ परिवार के साथ बैठकर मनोरंजन का आनंद लेने की परंपरा रही है। टेलीविजन पर आने वाले हास्य शो, जैसे द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज या कॉमेडी नाइट्स विद कपिल, भले ही कभी-कभी व्यंग्यात्मक होते हैं, लेकिन उनमें परिवार के साथ बैठकर देखने लायक सामग्री होती थी। हालाँकि, कुछ ऑनलाइन स्टैंड-अप कॉमेडियन अपने शो में इस सीमा को पार कर जाते हैं और सीधे-सीधे गाली-गलौच व यौन सामग्री परोसने लगते हैं। पश्चिमी देशों में यह प्रथा आम हो सकती है, लेकिन भारतीय समाज में इसे स्वीकार करना आसान नहीं है। यहाँ आज भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक मर्यादाओं के भीतर ही देखा जाता है। जब हास्य की सीमा पार करके वह अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह समाज में असहजता और असहमति को जन्म देता है।

आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया ने मनोरंजन के नए आयाम खोल दिए हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट क्रिएटर्स को सेंसरशिप का डर नहीं रहता, इसलिए वे खुलकर बोलते हैं। उन्हें पता है कि विवादित कंटेंट से उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी और उनके वीडियो अधिक वायरल होंगे। ऐसे में, कई कॉमेडियन यह तर्क देते हैं कि उनकी कॉमेडी एक तरह की सत्य बोलने की कला है, लेकिन वास्तव में वे केवल सनसनीखेज और उत्तेजक सामग्री परोसकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने की कोशिश करते हैं। कुछ कॉमेडियन तर्क देते हैं कि जब बॉलीवुड की फिल्मों में द्विअर्थी संवाद और अश्लीलता को जगह दी जाती है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी को क्यों रोका जाए? लेकिन यह तर्क उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी माध्यम में यदि समाज की नैतिकता और मर्यादा को ताक पर रखकर मनोरंजन किया जाएगा, तो यह समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से हानिकारक होगा।

भारतीय समाज में हास्य की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसे बनाए रखना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं कि समाज में असभ्यता को बढ़ावा दिया जाए। कला और अभिव्यक्ति का कार्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे बांटना या भड़काना। कॉमेडी को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह मनोरंजन के नाम पर नैतिकता और सभ्यता की सीमा न लांघे। सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी इस दिशा में कदम उठाने होंगे। यदि फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों के लिए सेंसर बोर्ड हो सकता है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी और ऑनलाइन कंटेंट के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश बनाए जाने चाहिए, ताकि हास्य अभद्रता की सीमा को पार न करे। हास्य का उद्देश्य केवल हँसाना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाना भी होता है। लेकिन जब यह हास्य अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह अपना मूल उद्देश्य खो देता है। भारत में हास्य को हमेशा एक उच्च स्थान प्राप्त रहा है, लेकिन वर्तमान में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन इसे गंदे चुटकुलों, गालियों और असभ्य बातों का माध्यम बना रहे हैं। यह प्रवृत्ति समाज के नैतिक मूल्यों को नुकसान पहुँचा सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मनोरंजन के अधिकार का सम्मान करते हुए भी, यह आवश्यक है कि हास्य की मर्यादाओं का पालन किया जाए। यदि कॉमेडी समाज को जोड़ने और स्वस्थ मनोरंजन देने का काम करे, तो वह वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा करेगी। लेकिन यदि यह केवल विवाद और सनसनीखेजता पर आधारित हो, तो यह न केवल हास्य की गरिमा को ठेस पहुँचाएगी, बल्कि समाज में एक नकारात्मक प्रभाव भी डालेगी। इसलिए, हास्य को हमेशा शालीनता और गरिमा के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि यह समाज के लिए सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बना रहे।

नजरिया

दिल्ली के बाद बिहार में चुनावी घमासान की तैयारी

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल को सत्ताच्युत करने के बाद अब बिहार में लालू यादव से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दो दो हाथ करेंगे। बिहार में चुनावी रणभेरी बजने वाली है। दिल्ली के बाद अब बिहार की बारी है जहां इसी साल विधानसभा के चुनाव होंगे। राजनीतिक पार्टियां अभी से ही तैयारी में जुट गई हैं। बिहार के दो प्रमुख चुनावी मोर्चे महागठबंधन और एनडीए ने सत्ता पर काबिज होने के लिए किलेबंदी शुरू कर दी है। नीतीश सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था। वर्तमान सरकार का कार्यकाल इस साल यानी 2025 में 22 नवंबर तक है। जाहिर है कि इससे पहले चुनाव होंगे। इसके अलावा चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी, जन सुराज बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बिहार की सियासत की धुरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है जो कभी एनडीए से छटक कर महागठबंधन में चले जाते हैं तो कभी घरवापसी कर लेते हैं। हाल फिलहाल वे एनडीए के साथ है और अब मरते दम तक एनडीए में रहने की घोषणा की है। एनडीए ने अपने नफा नुक्सान को देखते हुए स्पष्ट तौर पर कहना है कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। छऊ- में मुख्य रूप से बीजेपी, जनता दल (यूनाइटेड), लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलपी) शामिल है। एक दो और छोटी पार्टियों ने भी एनडीए के साथ रहने की घोषणा कर दी है। बिहार में एनडीए का मुकाबला महागठबंधन से होगा जिसका नेतृत्व लालू और तेजस्वी की बाप बेटे की जोड़ी के हाथ में है। इस गठजोड़ में कांग्रेस सहित वामपंथी पार्टियां शामिल है। लालू ने अपने बेटे तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की सार्वजनिक घोषणा कर रखी है। बिहार में येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए लालू यादव की छटपटाहट बस देखते ही बनती है। राजद अध्यक्ष लालू यादव अब बूढ़े हो चुके है और चाहते है उनकी विरासत के साथ बिहार की राजगद्दी बेटे तेजस्वी को मिले।

बिहार की सियासत वाकई बड़ी अजब गजब है। नीतीश सब के लिए अपरिहार्य हो गए है। बिहार में दो प्रमुख सियासी खेमे हैं। एक महागठबंधन तो दूसरा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। दोनों ही खेमों में इस बात को लेकर हमेशा रस्साकशी भी चलती रहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके खेमे में आ जाएं और बिहार की कमान संभालें। बिहार में सियासी समीकरण कुछ ऐसा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिस पाले में होते हैं उसी की सरकार बनती है। आश्चर्य की बात तो यह भी है की दोनों खेमों की प्रमुख पार्टियां भाजपा और राजद है मगर सीएम की कुर्सी हर बार नीतीश के पास रहती है जबकि उनकी पार्टी जेडी यू वहां सीटों के लिहाज़ से तीसरे नंबर की पार्टी है।

सियासतदान यह भली भांति जानते है कि नीतीश जिधर होंगे पलड़ा उनका ही भारी होगा, क्योंकि उनके पास कुर्मी कोयरी वोट लामबंध है। भाजपा अपना सीएम बनाने का हर प्रयास कर रही है मगर नीतीश की सियासत से पार पाना उनके बस की बात नहीं है और अन्तोगत्वा भाजपा नीतीश के सामने सरेंडर हो गई और विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ने को तैयार हो गई है। नीतीश ने भी लालू को टक्का सा जवाब दे देकर स्पष्ट कर दिया है वे अब कहीं नहीं जायेंगे और जहां है वहीं रहेंगे। इसी बीच एक नया घटना क्रम नीतीश के बेटे निशांत का घटित हुआ है। नीतीश का बेटा राजनीति से दूर है। इसीलिए उनपर कभी परिवारवाद का आरोप कभी नहीं लगा। इंजीनियर निशांत ने अपने दादा की जयंती के एक कार्यक्रम में अगले चुनाव में अपने पिता को जिताने की अपील कर लोगों को चौंका दिया। यह तो भविष्य ही बताएगा कि निशांत आगे जाकर क्या कदम उठाने वाले है।

यह सर्व विदित है बिहार की राजनीति जातीय वोटों में बंटी हुई है। इस समय जातीय सियासत में एनडीए का पलड़ा भारी है। केवल यादव और मुस्लिम वोटों के भरोसे बिहार में जीत पाना राजद के लिए यह संभव नहीं है। यह बात लालू अच्छी तरह जानते है इसीलिए बार बार नीतीश को अपने पाले में लाने का हर संभव प्रयास कर रहे है। लालू दलितों के वोट भी हासिल करने के लिए साम दाम दंड भेद से जुटे है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वे पशुपति पारस से अपनी पींगे बढ़ा रहे है।

बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट के मुताबिक सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग की आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी है। प्रमुख जातियों में यादव 14.26 प्रतिशत, रविदास 5.25 प्रतिशत, दुसाध 5.31 प्रतिशत, कोइरी 4.21 प्रतिशत, ब्राह्मण 3.67 प्रतिशत, राजपूत 3.45 प्रतिशत, मुसहर 3.08 प्रतिशत, भूमिहार 2.89 प्रतिशत, कुरमी 2.87 प्रतिशत, तेली 2.81, बनिया 2.31 प्रतिशत और कानू 2.21 प्रतिशत है। अन्य जातीय कमोवेश दो प्रतिशत से भी कम है। समग्र रूप से बिहार में 81.99 प्रतिशत यानी लगभग 82 प्रतिशत हिंदू हैं। इस्लाम धर्म के मानने वालों की संख्या 17.7 प्रतिशत है।

न्यूज अपडेट

पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एसकेएमयू की टीम रवाना

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय पुरुष क्रिकेट टीम पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिन बुधवार को ओडिशा के भुवनेश्वर के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता 11 से 22 फरवरी तक पूर्वी क्षेत्र के सभी विश्वविद्यालयों के बीच खेली जाएगी। भुवनेश्वर रवाना हुई 14 सदस्यीय टीम में रूपेश पंडित, आर्य चक्रवर्ती, कुणाल कुमार, राहुल कुमार पंडित, रोहित कुमार, अनमोल कुमार राय, सागर कुमार सिंह, राहुल कुमार राउत, अंश कुमार, ऋषिकेश सिन्हा, आर्यन, सचिन कुमार मुंडा एवं मिलन कुमार शामिल हैं।
टीम के साथ एसपी कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ कुमार सौरव टीम मैनेजर एवं चंदन शर्मा कोच के रूप में टीम के साथ गए हैं। बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह, कुलसचिव डॉ राजीव कुमार, खेल निदेशक डॉ सुजीत सोरेन, डॉ पूनम हेम्ब्रम एवं डॉ बिनोद मुर्मू आदि ने विश्वविद्यालय के कुलपति आवासीय कार्यालय से टीम को शुभकाम नाएं देते हुए विदाई दी। कुलपति ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलते हुए अच्छे प्रदर्शन की कामना की और टीम को विदा किया।

बधु आश्रम देवालय में दो दिवसीय माघी पूर्णिमा उत्सव महाप्रसाद वितरण के साथ संपन्न

मधुपुर। शहर के बावन बीघा मोहल्ला में स्थित देवालय बंधु आश्रम में आयोजित माघी पूर्णिमा सह श्रीधर नरायण का 90 वाँ वार्षिक उत्सव अनुष्ठान व महाप्रसाद वितरण के साथ बुधवार को संपन्न हो गया। आज सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी निकाली जो विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पुनः आश्रम पहुंचा। कार्यक्रम के तहत शिव प्रतिष्ठा, हवन, यज्ञ, श्रीधर नारायण जी का महास्नान, कीर्तन, महाप्रसाद, अंजलि, वंदना समेत कई अनुष्ठान आयोजित किया गया। तत्पश्चात देवालय परिसर में श्रद्धालुओं ने एक साथ जमीन पर बैठकर महाप्रसाद खिचड़ी ग्रहण किया। उत्सव में देश, समाज व परिवार को बचाने, आपसी भाईचारा, बंधु, प्रेम मनुष्य प्रभु स्मरण किया गया।मौके पर अध्यक्ष आशीष मुखर्जी, सचिव अशोक कुमार घोष, कोषाध्यक्ष उत्पल मुखर्जी, उपाध्यक्ष डा. आशीष कुमार सिन्हा, कमल सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद गुडडु दुबे, कौशिक विश्वास, राजा दास, पूर्व वार्ड पार्षद सोमा नंदी आदि समिति के सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में अपनी अपनी भूमिका निभाई।

थाना में में 6 लोगों पर बिजली चोरी का मामला दर्ज,तीन लाख 18 हजार किया गया जूमार्ना

मधुपुर। बिजली आपूर्ति प्रशाखा मधुपुर के सहायक अभियंता दीपक कुमार ने 6 लोगों पर अवैध रूप से बिजली चोरी करने का मामला मधुपुर थाना में दर्ज कराया है। सहायक अभियंता के आवेदन पर मधुपुर थाना की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।दर्ज प्राथमिकी में सहायक अभियंता ने पुलिस को कहा है कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर उन्होंने विभाग के कर्मियों के साथ थाना क्षेत्र के शहरी इलाकों के विभिन्न मोहल्ला में औचक निरीक्षण को निकले थे। इसी दौरान शहरी क्षेत्र के भगत सिंह चौक,राम चन्द्र बाजार, खलासी मोहल्ला मजिस्द गली, फाड़ी रोड व मोहल्ले के अन्य गलियों में जाकर घरों की बिजली की जांच की गई। जिसमें 6 घरों में अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया है। बताया गया कि इन लोगों के द्वारा बिजली चोरी किए जाने से विभाग को तीन लाख 18 हजार राजस्व की क्षति हुई है।इन सभी पर अलग-अलग जुर्माना लगाया गया है। विभाग के इस कार्रवाई से बिजली चोरी करने वाले उपभोक्ताओं में खलबली हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

संत रविदास जयंती पर रोटी बैंक दुमका की ओर से स्लम क्षेत्रों में बच्चों के बीच उपहार व मिठाई का वितरण

दुमका । संत रविदास जयंती के अवसर पर बुधवार को रोटी बैंक दुमका की ओर से दुमका में स्लम क्षेत्रों में बच्चों के बीच उपहार वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दंत चिकित्सक डॉक्टर श्वेता स्वराज, विशेष अतिथि महिला थाना प्रभारी अनुपम सारंगी एवं समाजसेवी जतिन कुमार ने संत रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। अवसर पर अतिथि एवं विशेष अतिथि के द्वारा बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री, और मिठाइयाँ वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य वंचित बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना था। मौके पर डॉक्टर श्वेता स्वराज ने संत रविदास के जीवन और शिक्षा पर प्रकाश डाला, जिससे बच्चों को प्रेरणा मिली। स्थानीय निवासियों ने इस प्रयास की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों की उम्मीद जताई। महिला थाना प्रभारी अनुपम सारंगी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में समरसता और एकता को बढ़ावा मिलता हैं, और वंचित वर्गों के उत्थान में आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अवसर पर अभिषेक रंजन, जतिन कुमार, दीपक बोरी,मनोज चालक,मिथुन मिर्धा,चंद चालक, ग्रामीण और बच्चे उपस्थित थे।

वर्तमान की छात्राएँ भविष्य की नारी, नैतिक शिक्षा उन्हें बनाती है सशक्त- भगवान भाई

दुमका।

सशक्त नारी समाज का आधार स्तंभ है। वर्तमान की छात्राएँ भविष्य की नारी हैं। वर्तमान की छात्राओं में नैतिक और आध्यात्मिक द्वारा सशक्त बनाकर भविष्य की नारी को सशक्त बनाया जा सकता है। जहां सशक्त नारी, वहीं समाज, परिवार, देश/राष्ट्र भी सशक्त बनेगा । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय माउंट आबू से आए राजयोगी ब्रह्माकुमार भगवान भाई ने ,उपरोक्त बातें कही।
एकलव्य मॉडल आवासीय बालिका विद्यालय, काठीजोरिया में नैतिक शिक्षा से सशक्त नारी विषय पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति, दूरदर्शन एवं अनेक व्यावसायिक चैनलों एवं पैसों की दौड़ आदि के प्रभाव में नारी आधुनिकता की लहर में अपने नैसर्गिक नैतिक मूल्यों की अवहेलना कर रही है। इसका प्रभाव समाज पर दिखाई दे रहा है ।
उन्होंने बताया कि परोपकार, सेवाभाव, त्याग, उदारता, पवित्रता, सहनशीलता, नम्रता, धैर्यता, सत्यता, ईमानदारी, आदि सद्गुण नहीं आते तब तक छात्राओं की शिक्षा अधूरी हैं । नैतिकता के अंग हैं झ्र सच बोलना, चोरी न करना,अहिंसा, दूसरों के प्रति उदारता, शिष्टता, विनम्रता, सुशीलता आदि। नैतिक शिक्षा के अभाव के कारण ही आज जगत में अनुशासनहीनता, अपराध, नशा-व्यसन, क्रोध,झगड़े आपसी मन मुटाव बढ़ता जा रहा है। वर्तमान समय नारी अपना कर्तव्य प्रति जागृत और अडिग रहने कि आवश्यकता है।
भगवान भाई ने कहा कि आज के समाज में रूढ़ियां, कुरीतियां, रीति-रिवाज, साम्प्रदायिकता बढ़ने लगी है। इस कुचक्र में नारी फसंती गयी। नारी के अधोपतन से समाज का भी पतन होने लगा है। नारी परिवार की धुरी और समाज की ईकाई है। उन्होंने कहा कि माता संतान की प्रथम गुरू है। वह स्वयं यदि शिक्षित है, गुणवान है, समर्थ है, सशक्त है आत्मबल आत्म सम्मान महसूस करती है तो वही संस्कार वो संतान को देती है।
उन्होंने आगे बताया कि कि राजयोग के अभ्यास द्वारा स्वयं को तनावमुक्त बनाकर सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि नारी जागी तो समाज जागा और नारी सोई तो समाज सोया। अब आध्यात्मिक ज्ञान से स्वयं को जागृत सशक्त बनाए। नैतिक शिक्षा से ही हमारा चरित्र महान बनटा है। नैतिक शिक्षा से हमें अच्छा व बुरा इसका भेद पता चलता है।
प्रिंसिपल लेफ्टिनेंट डॉ नेहा सुमिता सिंह जी ने सभी छात्राओं को कहा की जो बाते ब्रह्माकुमारी द्वारा सुनी उसे अपने आचरण में जरुर लाकर भविष्य में सशक्त नारी बनकर समाज का फैला हुआ अन्धाकर जरुर मिटाना तब आपका जीवन सार्थक होगा।
ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र, दुमका की प्रभारी बी.के. जयमाला ने कहा कि हम अपने भूतकाल में जाते है तो नारी शक्ति के रूप में पूजी जाती थी। अभी हमें अपने सोच बदलने की, विचारों में परिवर्तन लाने की और अपने शक्ति को पहचानने की आवशयकता है।
कार्यक्रम का संचालन सीनियर शिक्षिका रंजू कुमारी जी ने किया। पुष्प लता कुमारी ने भी अपना सम्बोधन देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बी के अर्जुन भी, बी के राजीव भाई बी के रविभाई बी के रेखा बहन जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में कुछ छात्राओं ने इस कार्यक्रम का लाभ और अनुभव सुनाया।
कार्यक्रम के अंत सशक्त नारी बनने हेतु बी के भगवान भाई जी ने राजयोग मेडीटेशन भी कराया गया।

चांसलर पोर्टल के माध्यम से पीजी में एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन 2 से 16 फरवरी तक

दुमका।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में पीजी एडमिशन के लिए चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू हो गई है और 16 फरवरी तक जारी रहेगी। अब तक करीब 3200 छात्र-छात्राओं ने पीजी एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। मालूम हो कि एसकेएमयू में कुल 5 कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई होती है, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर स्थित पीजी विभाग, देवघर कॉलेज, गोड्डा कॉलेज, साहेबगंज कॉलेज और सत्संग कॉलेज में सिर्फ कॉमर्स की पढ़ाई होती है।
अब तक उपरोक्त सभी कॉलेजों में लगभग 3200 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें सबसे अधिक ऑनलाइन आवेदन विश्वविद्यालय के पीजी विभागों के लिए प्राप्त हुए हैं जो लगभग 1300 है, इसके बाद देवघर कॉलेज में लगभग 800, साहेबगंज कॉलेज में लगभग 750, गोड्डा में लगभग 250 तथा सत्संग कॉलेज में लगभग 60 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 फरवरी तक तय की गई है भूगोल, हिंदी, इतिहास, संथाली आदि विषयों में नामांकन के लिए अधिकांश छात्र-छात्राएं उत्साह दिखा रहे हैं।
विश्वविद्यालय ने 2 मार्च तक नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली है तथा 3 मार्च से कक्षाएं शुरू करने की सूचना प्रकाशित कर दी है। विश्वविद्यालय की सहायक डीएसडब्ल्यू डॉ पूनम हेम्ब्रम ने बताया कि दस्तावेज सत्यापन व नामांकन से संबंधित आवश्यक निर्देश जल्द ही सभी कॉलेजों को भेज दिए जाएंगे।
ज्ञात हो कि पीजी एडमिशन के साथ ही विश्वविद्यालय के एमबीए और एमसीए कोर्स में एडमिशन के लिए भी ऑनलाइन आवेदन लिए जा रहे हैं। अब तक दोनों में 12-12 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय परिसर में एमबीए और एमसीए कोर्स स्ववित्तपोषित मोड में संचालित होते हैं।
नामांकन के लिए महत्वपूर्ण तिथिः
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि- 16 फरवरी तक। मेरिट लिस्ट प्रकाशित किए जाने की तिथि- 20 फरवरी। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन - 21 से 28 फरवरी। फीस भुगतान करने की अंतिम तिथि- 2 मार्च तक। कक्षा आरम्भ-3 मार्च से।
सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के अंतर्गत इन पांच कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई होती हैः यूनिवर्सिटी कैंपस, साहेबगंज कॉलेज, ए. एस. कॉलेज, देवघर
गोड्डा कॉलेज,गोड्डा, देवघर कॉलेज, देवघर

गायत्री परिवार ने किया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में मधुपुर शहर स्थित कालेज रोड पथरचपटी में गायत्री परिवार एवं सनातनी परिजन द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला उपसमन्वयक उमाकान्त राय ने बताया कि गायत्री मंदिर मधुपुर के मुख्य प्रबंधक रामानुज कुमार की धर्मपत्नी, गायत्री माता की वरदपुत्री चंचला देवी 58 वर्ष की आयु में 01 फरवरी 2025 को सूक्ष्म शरीर छोड़कर परमसत्ता में विलीन हो गयी। इन्होंने मिशन के कार्यों के लिए अपने पति को घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त रखी तथा क्षेत्रीय मिशन के विस्तार में सेवारत रही। मानव शरीर इस धरती की सबसे बड़ी ईश्वरीय विभूति है। गायत्री परिवार परिजनों ने दिवंगत प्राणी की आत्मशांति हेतु दो मिनट का मौन, गायत्री मंत्र जप, तथा इनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर हाथों में अक्षत पुष्प लेकर वैदिक मंत्रों से पुष्पांजलि श्रद्धांजलि अर्पित किया। मुख्य प्रबंधक रामानुज कुमार के सौजन्य से श्राद्धभोज में उपस्थित सभी परिजनों को पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी रचित पुस्तकों का निः शुल्क वितरण किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल के लिए डालसा सचिव ने बैंक अधिकारियों व अन्य विभागों के पदाधिकारी के साथ की बैठक

व्यवहार न्यायालय, दुमका में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 08 मार्च को

दुमका।

नालसा, नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वावधान में 08 मार्च 2025 के प्रातः 10:30 बजे से व्यवहार न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में कंपाउंडेबल केसेस, एनआई एक्ट केसेस, एमएसीटी एक्ट, फैमिली कोर्ट केसेस, लेबर एक्ट, सिविल केसेस, बैंक रिकवरी केसेस, इलेक्ट्रिसिटी केसेस, फॉरेस्ट केसेस, एक्साईज केसेस आदि संबंधित मामलों का निष्पादन किया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत का प्री काउंसलिंग सिटिंग जो 08 जनवरी से ही प्रारंभ है जिसमें अब तक सैकड़ो वादों का निष्पादन किया जा चुका है। डालसा सचिव, उत्तम सागर राणा ने सर्वसाधारण से अपील की है कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वादों का निपटारा कर लाभ उठाएं। इस संबंध में उन्होंने आज बैंक अधिकारियों एवं अन्य विभागों के पदाधिकारी के साथ बैठक कर उन्हें कहा कि छोटे कर्जदारों के मामले में बैंक लचीला व्यवहार अपनाये तथा बैंक अधिकारियों को अधिक से अधिक बैंक लोन आदि आपसी सुलह समझौते से निपटारा करवाने का अपील किया। उन्होंने आगे बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में एनपीए मामले में बैंक अधिकारी से रियायत बरतने और पक्षकारों के साथ सुलह समझौता से बैंक ऋण, ब्याज एवं अन्य मामलों का निष्पादन करवाने पर जोर दिया।

सड़क दुर्घटना में घायल बच्चा का इलाज के दौरान हुआ मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

संवाददाता/जामताड़ा । गोविंदपुर साहिबगंज नेशनल हाईवे में बीते 10 फरवरी सोमवार को हुई सड़क दुर्घटना में 11 वर्षीय बच्चा गंभीर रुप से घायल हो गया था। जिसका धनबाद एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गया मृत्यु के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शव पहुंचते ही घर और गांव में मातम पसर गया। बताते चलें कि गोविंदपुर साहिबगंज नेशनल हाईवे के अंतर्गत नारायणपुर थाना क्षेत्र के केंदुआटांड़ में बीते सोमवार को करीब शाम तीन बजे भीषण सड़क दुर्घटना हुई थी। जिसमें चौथा क्लास के स्कूली बच्चा को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने ठोकर मार दिया था । घटना के बारे में बताया गया की 11 वर्षीय विशाल मुर्मू पिता बीरू मुर्मू जो केंदुआटांड निवासी है। विशाल मुर्मू प्राथमिक विद्यालय केंदुआटांड़ से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहे थे ।हाईवे किनारे घर है ।सड़क पार करने के दौरान पिकअप वाहन की चपेट में आ गए। जिससे सर पर काफी गम्भीर चोट लग गई थी।आसपास के लोगों को जानकारी मिलने के बाद इलाज के लिए जामताड़ा एक निजी अस्पताल ले गए। स्थिति गंभीर देखते हुए धनबाद रेफर कर दिया गया था ।जहां इलाज के दौरान दो दिन बाद मौत हो गया। इधर घटना के बाद उग्र लोग सोमवार को हाईवे लगभग चार पांच घंटा जाम कर दिए था। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घायल बच्चा का पिता वीरू मुर्मू ने कहा कि मेरा इकलौता बेटा था ।

राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच द्वारा चितरा में मनाई गई संत रविदास की जयंती

चितरा ।

एस पी माइंस चितरा कोलियरी के अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब के प्रतिमा के समक्ष राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच द्वारा संत रविदास की 648 वीं जयंती मनाई गई । इस दौरान राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच चितरा शाखा के महासचिव प्रसादी दास के नेतृत्व में चितरा मुखिया प्रतिनिधि सुजीत रजत, दिलीप दास, परमेश्वर दास, लक्ष्मण दास, प्रमोद दास, बीरबल दास, अरुण दास, संतोष दास,धनंजय दास, संजय दास सहित अन्य ने संत रविदास जी के तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इस दौरान राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच चितरा शाखा के महासचिव प्रसादी दास ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संत गुरु रविदास का जन्म जयंती मना रहे हैं । सद्गुरु के विचारों पर चलकर मानव सतलोक को प्राप्त कर सकता है। आगे कहा कि आज हमें संत गुरु रविदास के विचारों को आत्मसात करने की आवशयकता है जिससे हमारा समाज का उत्थान होगा।

मधुपुर कोर्ट मोड़ पर संत शिरोमणी रविदास की मनी जयन्ती

संवाददाता।

मधुपुर। कोर्ट मोड़ पर बहुजन समाज के लोगों द्वारा संत शिरोमणी रविदास की जयन्ती मंगलवार को गया।कार्यक्रम में अंचल अधिकारी यामुन रविदास और प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार दास मुख्य रूप से मौजुद थे।पदाधिकारियों ने संत शिरोमणि रविदास जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।इस दौरान सैकड़ों की संख्या में बहुजन समाज के लोग उपस्थित थे। सभी ने बारी-बारी से संत शिरोमणि रविदास जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और उनके बताए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया।इसके पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई,जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए कोर्ट मोड़ पहुंचकर समापन हुआ। मौके सीओ यामुन रविदास ने बताया कि संत रविदास जी एक महान संत,कवि, आध्यात्मिक, दार्शनिक, समाज-सुधाकर और भक्ति प्रेरक गुरु थे।वहीं बीडियो अजय कुमार दास ने कहा कि
संत शिरोमणी रविदास जी को कबीर की प्रवृत्ति के कारण उन्हें समकालीन कवि माना जाता है,क्योंकि उन्होंने बिलकुल कबीर की भाँति आम जनता को अपने दोहे और पदों के जरिए उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है। कहा रविदास जी का जन्म हिंदी माह के अनुसार माघी पूर्णिमा को वाराणसी उत्तरप्रदेश में हुआ था। उनका जन्म 14वीं शताब्दी के आसपास हुआ था।हालाँकि उनके जन्म को लेकर अलग-अलग मत रहे है।मौके पर बहुजन समाज के लोग मौजुद थे।

न्यूज अपडेट

बरही डीएसपी का हुआ प्रमोशन, बने वरीय पुलिस उपाधीक्षक

प्रतिनिधि बरही। बरही। झारखंड सरकार गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने विज्ञप्ति में अधिसूचना जारी कर बताया है कि 20.01 2025 को संपन्न विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक में अनुशंसा के आलोक में झारखंड राज्य पुलिस सेवा के पुलिस उपाधीक्षक कोटि में विभिन्न पदाधिकारियो को प्रोन्नति प्रदान की गई है। जिसमें बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल को

प्रोन्नति करते हुए वरीय पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है। वे वर्तमान में बरही के 19 वां अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं। मोहित डीएसपी ने बताया कि जब तक कहीं दूसरे जगह पदस्थापन नहीं हो जाता तब तक यहां ही उक्त पद पर यथावत रहेंगे।

बरही पुलिस ने प्राथमिकी अभियुक्त को भेजा जेल

प्रतिनिधि बरही। बरही : बुधवार को बरही पुलिस ने बरही थाना कांड संख्या 216/24 के प्राथमिकी अभियुक्त करियातपुर निवासी रंजीत कुमार दास उर्फ रंजीत रविदास उम्र- 22 वर्ष पिता बीरेंद्र रविदास को गिरफ्तार कर उचित मार्ग रक्षण मे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

वेणी प्रसाद उच्च विद्यालय में दसवीं के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़। प्रखंड अंतर्गत विष्णुगढ़-बगोदर मुख्य मार्ग स्थित अलपीटो के वेणी प्रसाद उच्च विद्यालय में दिनांक 12 फरवरी 2025 दिन बुधवार को कक्षा 09वीं के द्वारा कक्षा दसवीं के छात्रों के लिए विदाई समारोह कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा गीत, नाट्य, नृत्य, भाषण इत्यादि प्रस्तुत किया गया। विद्यालय में पढ़ाई के दौरान सभी छात्र-छात्राओं ने अपना अनुभव साझा किया। दसवीं के छात्रों ने विद्यालय छोड़ने को लेकर अपना दुख भी व्यक्त किया। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने इस विदाई समारोह में सभी छात्र-छात्राओं को भविष्य में सफल होने का आशीर्वाद दिया। मौके पर विद्यालय संचालक छोटन शर्मा, प्रधानाध्यापक टेकलाल यादव, उप प्रधानाध्यापक संदीप पाठक, सहायक शिक्षक पिंटू वर्मा, मनोज यादव, रीना देवी, बालिका देवी, डोली कुमारी, शालिनी कुमारी, रोशन पाठक, शालू कुमारी, खुशी कुमारी, रानी कुमारी, अनु कुमारी एवं ज्योति राज उपस्थित रहे।

ग्राम अलपीटो एवं चौथा में संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती मनाई गई

- **बगोदर विधायक नागेंद्र महतो बतौर मुख्य अतिथि हुए शामिल**

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़। विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत अलपीटो पंचायत के ग्राम अलपीटो एवं चौथा में ग्राम नव युवक संघ समिति अलपीटो व भीम नव युवक संघ चौथा के द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बगोदर

विधानसभा के विधायक नागेंद्र महतो शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संत शिरोमणि गुरु रविदास की तस्वीर पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया एवं विधायक श्री महतो, पंसस प्रतिनिधि भीखन रविदास एवं समिति के सदस्यों के द्वारा संयुक्त रूप से केक काटकर जयंती मनाई। इस दौरान विधायक नागेंद्र महतो ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु रविदास जी का जीवन समाज में समानता, प्रेम, भाईचारा और कर्मठता का संदेश देता है। उन्होंने हमेशा जाति-पाति के भेदभाव को मिटाकर एक समरस समाज की स्थापना पर जोर दिया। उनका आदर्श वाक्य रमन चंगा तो कठौती में गंगार यह दर्शाता है कि व्यक्ति की सोच और कर्म पवित्र होने चाहिए। मौके पर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि भीखन रविदास, जयपाल दास, चौथा रविदास समाज अध्यक्ष रामचंद्र दास, चौधरी दास, रूपलाल दास, बासुदेव दास, रामचंद्र दास, परमेश्वर दास, महेंद्र दास, गोबिंद दास, अलपीटो रविदास समाज के बालेश्वर दास, दुलारचंद दास, कार्तिक दास, बंधन दास, जगदीश दास, विनोद दास, लूटन दास समेत स्थानीय महिलाएं एवं पुरुष इत्यादि मौजूद रहे।

अज्ञात अपराधियों के द्वारा अपहरण त्रिवेणी सैनिक कंपनी में कार्यरत गार्ड को पुलिस ने किया बरामद

बड़कागांव। सिकरी ओपी थाना अंतर्गत राजाबागी में स्थित त्रिवेणी सैनिक का एमडीओ कॉलोनी में कार्यरत सिक्योरिटी गार्ड सीताराम वर्मा पिता जूठन राम ग्राम चमगढा, पंचायत सिकरी, पोस्ट बड़कागांव, जिला हजारीबाग का ड्यूटी के दौरान सोमवार की रात्रि लगभग 8:00 बजे अज्ञात अपराधियों द्वारा अपहरण

कर ली गई।जिसे सिकरी पुलिस के द्वारा मंगलवार को केरेडारी प्रखंड छतिसो माता स्थान के जंगल से सकुशल बरामद कर लिया गया है। बता दें कि सोमवार को सिक्योरिटी गार्ड जब रात्रि ड्यूटी समाप्त होने के पश्चात घर नहीं पहुंचा तो घर वाले आसपास के लोगों व रिश्तेदारों के पास फोन कर सूचना प्राप्त करने लगे लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह 8:00 बजे लापता व्यक्ति की लिखित सूचना सिकरी ओपी थाना में दी गई। तत्पश्चात थाना प्रभारी की सूझबूझ व पुलिस कर्मियों के सहयोग से लापता व्यक्ति को केरेडारी स्थित छतीसों बहन माता मंदिर जाने वाले रास्ते के आसपास बरामद की गई। पुलिस की दबाव होने के कारण अपहरणकर्ता साथ ले जा रहे व्यक्ति को जंगल में छोड़कर भागने में सफल रहे। लापता व्यक्ति को घायल अवस्था में बरामद किया गया, वह कुछ भी बोलने में असमर्थ था। बेहतर इलाज के लिए उसे हजारीबाग के आरोग्य अस्पताल में परिवार जनों के साथ भेजा गया है। थाना प्रभारी से पूछे जाने पर बताया कि लापता व्यक्ति की बरामदगी सकुशल हो गई है। इलाज के लिए हजारीबाग भेजा गया है वह बयान देने में अभी कुछ असमर्थता व्यक्त कर रहा है। उसके स्वस्थ होने के पश्चात बयान ली जाएगी तत्पश्चात प्राथमिक की दर्ज कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। अब यहां सवाल यह उठता है कि त्रिवेणी सैनिक में कार्य करने वाले सभी सुरक्षा कर्मीयों को सुरक्षा प्रदान करने की पूर्ण जिम्मेवारी कंपनी की है। लेकिन ड्यूटी के दौरान जब एक सिक्योरिटी गार्ड की ही अज्ञात अपराधियों द्वारा अपहरण कर ली जाती है तो फिर अन्य और सदस्य किस तरह सुरक्षित महसूस कर सकेंगे।

बरही विधानसभा में धूमधाम से संत रैदास जी की जयंती संपन्न हुई, समारोह में विधायक व डीएसपी हुए शामिल

संत रैदास जी ने समाज को समानता, एकता और परिश्रम का संदेश दिया, उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं : मनोज यादव

प्रतिनिधि बरही।

बरही। संत शिरोमणि रैदास जी की जयंती के अवसर पर बरही विधानसभा के विभिन्न स्थानों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बरही के मलकोको, बाराटांड़, शिवपुर गड़लाही और चंदवारा के जामुखाडी में रविदास समाज द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम में बरही विधायक मनोज यादव बतौर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि बरही डीएसपी अजीत कुमार विमल शामिल हुए। समारोह बीच संत रैदास जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर बरही विधायक मनोज यादव ने संत रैदास जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि संत रैदास जी ने समाज को समानता, एकता और परिश्रम का संदेश दिया था। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और हमें उनसे प्रेरणा लेकर समाज में भाईचारा और सद्भावना को बढ़ावा देना चाहिए।विधायक श्री यादव ने आगे कहा कि संत रैदास जी ने सदैव जात-पात के भेदभाव को मिटाने और सभी को समान दृष्टि से देखने का संदेश दिया। उनकी विचारधारा न केवल उस दौर में बल्कि आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें और समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में योगदान दें। वहीं डीएसपी ने कहा कि संत रविदास जी के आदर्श को समाज के लोगों आत्मसात करने की जरूरत है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने संत रैदास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु थे, जिन्होंने अपने समय में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई और लोगों को सच्चाई, प्रेम और सद्भावना के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विधायक मनोज यादव ने मौजूद सभी गणमान्य व्यक्तियों और ग्रामीणों को संत रैदास जी के विचारों को अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। शिवपुर गड़लाही में भी संत रैदास जयंती समारोह के बीच मनाया गया। मौके पर मुखिया मनोज कुमार कहा कि संतो के संत गुरु रविदास जी के बताए आदर्शो पर चलने की जरूरत है। समाज के लोगों को अपने बच्चों को शिक्षित कर एक अच्छे समाज बनाने के लिए आग्रह किया। इस आयोजन में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, पूर्व जिप प्रतिनिधि मो क्यूम, रविदास समाज प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन रविदास, पूजा समिति अध्यक्ष गुलाब कुमार दास, सचिव नागेश्वर दास, कोषाध्यक्ष गणेश दास, संरक्षक सूरज दास, शंकर दास, लक्ष्मण दास, सक्रिय सदस्य महेंद्र दास, दिनेश दास, बिरजू दास, अनिल दास,सोनू दास, महेश दास, सुभाष दास,दीपक दास, विनोद दास, रामसुन्दर दास, यमुना दास, छोटू दास, ओमप्रकाश दास, विजय दास, लालजीत दास, भाजपा ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुन्ना यादव, साधुशरण दास, बाराटांड़ अम्बेडकर नगर अध्यक्ष नारायण रविदास, संजय रविदास, वार्ड सदस्य बीरेंद्र रविदास, पंकज कुमार रवि, कृष्णमोहन दास, निरंजन रविदास, सिकंदर रविदास, अनुज अम्बेडकर, शीतल कुमार, मुकेश कुमार, मलकोको रविदास समाज अध्यक्ष गुलाब दास, सचिव नागेश्वर रविदास, कोषाध्यक्ष गणेश कुमार दास, नागेश रजक, पुरन राम समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

लौटवा डैम में फेंके गए बोरे से नर मुंड और पैर मिलने से फैली सनसनी

श्रमबिंदु इचाक।

इचाकः प्रखंड के लोटवा डैम के चट्टान में फंसा मानव खोपड़ी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।बोरे में डाल कर फेंका मानव खोपड़ी को सोमवार संध्या करीब चार बजे मछुआरों और चरवाहों ने चट्टान में फंसा प्लास्टिक बोरे में देखा।बोरे को कुरेदने पर उससे मानव खोपड़ी निकला। जिसकी चर्चा आस के गांव में होने लगी।चर्चा के बाद मंगलवार सुबह आसपास के लोग डैम के पास पहुंचे और पत्थर में फंसा बोरा को कुरेदा जिसमें मानव खोपड़ी, पैर की हड्डियां के अलावा नर कंकाल के टुकड़ों में बांटा हड्डियों के अवशेष ,पत्थरों के टुकड़े निकला।लोगों ने इसकी सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को दिया जिसके बाद इचाक पुलिस को डैम में खोपड़ी होने की सूचना दी गई।लोगों की सूचना पर इचाक पुलिस लोटवा डैम पहुंचकर मानव खोपड़ी और हड्डियों को जब्त करते हुए छानबीन शुरू कर दिया है लोगों ने बताया कि किसी अज्ञात की हत्या दूसरे जगह कर अपराधियों ने शव के टुकड़े को बोर में भरकर डैम में फेंक दिया होगा। बरसात में डैम में पानी अधिक होने के चलते बोरा तैरता रहा। किंतु पानी सूखने के बाद बोरा पत्थर के चट्टान में फंस गया। जिस कारण वहां पहुंचे चरवाहों और मछुआरों ने इसे देखा और कुरेदते हुए गौर से देखा तो मानव खोपड़ी और हड्डी निकला। बता दे की नेशनल पार्क जंगल और लोटवा डैम का किनारा अपराधियों और अश्लील हरकत करने वाले जोड़ियां का सेफ जोन बन गया है जिसके कारण शरारती अपराधी और प्रेमी जोड़े यहां योजना के तहत पहुंचते है जो अपनी मकसद में भी सफल होने के बाद हत्या को अंजाम देकर शव को डैम में फेंककर निकल जाते हैं। जिसकी भनक पदमा और इचाक पुलिस को नहीं लग पाती है यही कारण है कि कभी जंगल में शिर से अलग धड़ तो कभी बोरे में बंद मानव खोपड़ी और हड्डी के अलावा डूबने से मृत व्यक्तियों के शव को पुलिस बरामद करते रही है।जिसकी चर्चा क्षेत्र में लगातार हो रही है। बता दें कि सितंबर 2023 में नहाने गए माउंट एगमोंड स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं 11वीं के 6 विद्यार्थियों की मौत डूबने से हो गई थी, वहीं लोटवा गांव जाने के रास्ते में झाड़ियां के बीच एक अधेड़ व्यक्ति का नंगधडंग शव को इचाक पुलिस ने अक्टूबर 2022 में बरामद किया था। इसके कुछ दिन बाद उक्त व्यक्ति के सर को पदमा क्षेत्र के केवता नदी से बरामद करते हुए मामले का उद्वेदन पुलिस ने कर लिया था मृतक व्यक्ति बिहार का था जिसकी हत्या संपत्ति हड़पने के चक्कर में उसके भाई और भौजाई ने साजिश के तहत करवा कर बिहार से लाकर शव को लोटवा जंगल में जबकि सर को क्वेटा नदी में फेंक दिया था पुलिस हत्या के आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है वहीं लोटवा डैम के पास स्थित चमेली झरना अछूता नहीं है झरने से पदमा के सोनपुर गांव निवासी मां सहित दो बच्चे और बिहार के एक युवक का शव 2024 में झरना से निकल गया था जिसे लेकर क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट चर्चा में रहा ।

पथ निर्माण कार्य में आ रही अडचनों को दूर करने में सहयोग करें - ओम प्रकाश मेहता

श्रमबिंदु ईचाक । इचाकः पथ निर्माण संघर्ष समिति के तत्वाधान में एवं इस क्षेत्र के सभी लोगों के सहयोग से कई आंदोलन के फल स्वरुप इचाक से खैर भाया दरिया बरका पथ का निर्माण कार्य हो रहा है वर्तमान समय में पथ की ढलाई का कार्य खुदरा से आगे इचाक की ओर हो रही है जब ढलाई कार्य का निरीक्षण करने के लिए आज पथ निर्माण संघर्ष समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने पहुंचे तो देखा कि एक दिन पूर्व जो ढलाई हुई है सामने के जमीन मालिक पंडित जी के द्वारा जबरदस्ती अपना जमीन कहकर मनमानी तरीके से कार्य करा रहे लोगों पर प्रेशर बनाकर वहां रोड को एक से डेढ़ फीट तिरछा कर दिया गया है। देखने के बाद तुरंत पथ निर्माण संघर्ष समिति के अध्यक्ष ने समिति के प्रधान महासचिव बसंत नारायण मेहता सचिव सुनील तलवार समेत कई लोगों को सूचित कर बुलाया इसके बाद जमीन मालिक को बुलवाया गयाऔर बुलवाने के बाद जब उनसे पूछा गया तो बहुत समझाने के बाद भी नहीं समझा और उन्होंने इससे अधिक न ढालने देने की बात कही। उनके द्वारा इस तरह की बातें बोलने पर पथ निर्माण संघर्ष समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने जबरदस्ती रोड ढालने की बात कही जिस पर जमीन मालिक ने इसकी सूचना इचाक थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह को देने का काम किया फिर कुछ समय में थाना प्रभारी वहां पहुंचकर जब निरीक्षण किया तो उन्होंने भी तिरछी पथ को देखकर जमीन मालिक को गलत ठहराया और रोड को सीधा करने की बात कही। और उन्होंने भी लोगों से पथ निर्माण कार्य में सहयोग करने की अपील किया ।आगे अध्यक्ष श्री मेहता ने अगल-बगल के लोगों को रोड चौड़ीकरण में मदद करने का आग्रह किया है साथ ही साथ पथ निर्माण कार्य में कहीं-कहीं जो अड़चनें आती है उसे दूर करने का भी आग्रह किया । इसके आगे कार्य करा रहे हैं मुंशी को श्री मेहता ने कुछ मेटेरियल की कमी को देखते हुए फटकार लगाई साथ ही साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य करने को कहा। मौके पर महेश प्रसाद मेहता लोकनाथ महतो हरि मेहता प्रकाश मेहता लोकनाथ प्रसाद मेहता सुनील शर्मा समेत कई लोग शामिल थे

बलकमक्का में जंगल बचाव अभियान के तहत बैठक का हुआ आयोजन

रविवार को वन में पेड़ पौधे बचाव को लेकर किया जाएगा वृक्षों का रक्षाबंधन

श्रमबिंदु।विष्णुगढ़।

विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत खरकी पंचायत के बलकमक्का में बुधवार को जंगल बचाव अभियान के तहत नुनुचंद महतो एवं कारू महतो के अगुवाई में वन रक्षी संबंधित एक बैठक रखी गई। जिसमें गांव के सभी ग्रामीण महिलाओं ने जंगल बचाव के पक्ष में बातें रखी। ग्रामीणों ने बताया की खरकी पंचायत में पिछले कई सालों से जंगल बचाव के लिए गांव के सभी महिलाएं एवं पुरुष आंदोलन किया है। साथ ही कई लोग जंगल में वृक्षों का रक्षाबंधन करते आए हैं। यह कार्य महिलाएं 2009 से करती आ रही हैं। 2018 में पुरे पंचायत भ्रमण कर लोगों को अवगत कराया गया था की जंगल में वृक्षों को नहीं काटना है, लेकिन बीतते वक्त के बाद लोगों ने फिर से जंगल में वृक्षों का काटना और जंगल उजाड़ना शुरू कर दिया है। जिससे अब 2025 में जंगलों की स्थिति बिल्कुल खराब हो चुकी है । जंगल बचाओ में आज महिलाएं आगे आ रही हैं, पुरुष बिल्कुल मौन हैं। यह बहुत दुर्भाग्य की बात है, जो महिलाएं पढ़ी-लिखी नहीं है फिर भी वे प्राकृतिक के फायदे और उसके प्रति कितनी सजग हैं। इसलिए जंगल बचाने में आप सबों के भरपूर सहयोग की जरूरत है। इस बैठक में कई निर्णय लिए गए जिसमें दिनांक 16/02/25 दिन रविवार को वन में जाकर वृक्षों को रक्षाबंधन करना है, जंगलों में किसी भी प्रकार के पेड़ पौधों को नहीं काटना है, जंगलों से कुछ विशेष आवशयकता होगी तो लोगों से निर्णय आवशयक होगा और लोगों को कहना है कि जंगल पूरा उड़ जाता है तब लोगों की नींद खुलती है अब पहले से ही सतर्क होने की जरूरत है। बैठक में नुनुचंत महतो ,कारु महतो, बासुदेव महतो, राजकिशोर पटेल, नेमचंद महतो, तिलक महतो, बालेश्वर महतो, मसोमत मुद्रिका देवी, डेगिया देवी, सुगिया देवी, ललिता देवी,बसवा देवी, मनवा देवी, सीता देवी, रेमिया देवी, असवा देवी, सुनीता देवी, सावित्री देवी, शांति देवी, किरण देवी, अनीता देवी, यशोदा देवी, देवंती देवी, अनीता देवी ,सरस्वती देवी इत्यादि सैकड़ो ग्रामीण महिलाएं -पुरुष उपस्थित थे।

स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन ने किया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

बड़कागाँव।

रविदास जयन्ती के अवसर पर स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के सौजन्य से मॉडर्न पब्लिक स्कूल बड़कागाँव में क्विज प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया।प्रतियोगिता फाउंडेशन के निदेशक बिपिन कुमार एवं स्कूल के प्राचार्य मो. इब्राहिम के नेतृत्व में आयोजित हुआ।इसमें वर्ग आठवीं और नवमीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रविदास जी के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं, झारखंड सामान्य ज्ञान एवं अपठित हिंदी और अंग्रेजी से कुल सौ प्रश्न शामिल थे।

परीक्षा ओएमआर सीट पर ली गई। स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के निदेशक बिपिन कुमार ने बताया कि परीक्षा में अव्वल पांच टॉपरों को आगामी सप्ताह पुरस्कृत किया जाएगा।परीक्षा समापन के बाद जयंती के मौके पर प्राचार्य इब्राहिम ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुवे कहा कि रविदास जी के उपदेश आज भी समाज में समानता और एकता के संदेश को

प्रसारित कर रहे हैं।उनका जीवन हमें आपसी मतभेद को विस्मृत कर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना की प्रेरणा देता है।

- **स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन**

फाउंडेशन के निदेशक विपिन कुमार बड़कागांव प्रखंड के ग्राम सांढ़ निवासी ने पूछे जाने पर बताया कि फाउंडेशन सिर्फ और सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।इस फांउडेशन के द्वारा बीते वर्ष 14 अप्रैल 2024 को जिले के 5000 प्रतिभागियों को शामिल कर सर्वश्रेष्ठ 1500 प्रतिभागियों को सम्मानित किया।जिसे लैपटॉप आदि पुरस्कार ने नवाज कर सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में मुख्य रूप से शिक्षक विकास कुमार,मुकेश कुमार,मंजीत कुमार,मो.महबूब,रंजीत कुमार,संतोष कुमार,अनुज कुमार, मो.अजमातुल्ला,मो.अलि,मनोज कुमार, सेवंती कुमारी,शांति कुमारी,मंजू कुमारी,सृस्टि कुमारी, रानी कुमारी,शिल्पी कुमारी आदि ने भूमिका निभायी।

मिशन ग्राउंड का सुंदरीकरण कार्य का सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने किया पुनः निरीक्षण

संवाददाता।

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मिशन ग्राउंड के सुंदरीकरण कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए बुधवार को पुनः निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सरना समिति के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के साथ बैठक कर विकास कार्यों पर चर्चा की और क्षेत्र में किए जा रहे सुधार कार्यों की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान विधायक प्रदीप प्रसाद ने मिशन ग्राउंड में चल रहे प्रत्येक कार्य पर पैनी नजर रखी और अधिकारियों

को आवशयक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिशन ग्राउंड क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है और इसके सौंदर्यीकरण से आम जनता को लाभ मिलेगा। विधायक ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी कार्य समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। मिशन ग्राउंड को आधुनिक स्वरूप देने के लिए कई नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। बच्चों के खेलने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए खेल क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं, जिससे वे सुरक्षित और आनंददायक वातावरण में खेल सकें। वहीं, बुजुर्गों के बैठने और टहलने के लिए विशेष स्थानों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि वे शांति और सुकून के साथ समय बिता सकें। रात के समय ग्राउंड को सुरक्षित और रोशन बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक मास्टर लाइट लगाई जा रही है, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा, ग्राउंड के चारों ओर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित प्रबंध किए जा रहे हैं ताकि यह स्थान हर वर्ग के लोगों के लिए सुविधाजनक और सुरक्षित बना रहे।

- **सरना समिति ने की पहल की सराहना**

मिशन ग्राउंड के सुंदरीकरण की इस पहल की सारण समिति के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशंसा की। समिति के सदस्यों ने कहा कि यह कार्य हजारीबाग के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे शहर के नागरिकों को एक सुंदर और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल प्राप्त होगा।

- **जल्द जनता को समर्पित होगा मिशन ग्राउंड**

विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि मिशन ग्राउंड का सुंदरीकरण कार्य अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे इस सार्वजनिक स्थल को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें।

न्यूज अपडेट

झारखंड में हब्बा-डब्बा पर बैन, फिर भी सोनाहातु के विभिन्न मेला में खेला जाता है हब्बा डब्बा विरोध करने पर मिलता है धमकी ।

सोनाहातु समेत पूरे पांच परगना क्षेत्र में हाबाडब्बा खेल धड़ल्ले से चल रहा है।इन दिनों पूरे पांच परगना क्षेत्र में छौ नाच फूटबॉल खेल बुग्गी बुग्गी डांस आदि का प्रोग्राम आयोजित किया जाता है। वहीं बुंडू थाना क्षेत्र के सिरकाडीह गांव का पांच से सात लोग टीम बनाकर हर मेला में हब्बा डब्बा का जुआ खेल खिलाते हैं वही मेला में आने वाले मेला प्रेमी हाबाडब्बा जैसे जुआ खेल जोरों पर खेला खेलते है। कार्यक्रम स्थल पर हबाडब्बा जैसे जुआ खेल होने के कारण मेला देखने आये लोगों का जुआ खेल में मन लग जाता है और हजारों रुपए का लाभ हानि हो जाता है।इस खेल में कोई जीत लेता है तो कोई व्यक्ति हारकर हाथ मलते मलते घर पहुंच जाता है।जुआ खेल से मेला समितियों को हजारों का लाभ सिर्फ मेला लगाने से ही हो जाता है। जुआ और शराब के बिना मेला भी संभव नहीं है। जिसमें ग्रामीण युवाओं का जमावाड़ा बढ़-चढ़ कर रहता है। मेले में आने वाले हर युवाओं का शराब और जुआ में लत्त हो गया है। जिससे आने वाला भविष्य में युवाओं के साथ साथ हर व्यक्ति को इसका दुष्परिणाम भुगतना पड़ सकता है ।

विधायक ममता देवी ने संत शिरोमणि का लिया आशीर्वाद

/रामगढ़।संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर चितरपुर प्रखंड में आयोजित पूजा पंडाल में पहुँच कर रामगढ़ विधानसभा की विधायक ममता देवी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के चरणों में माथा टेका और उनके विचारों का स्मरण किया।उन्होंने कहा की संत रविदास जी ने कहा था ₹मन चंगा तो कठौती में गंगा₹जिसका अर्थ है कि यदि मन शुद्ध है तो हर कार्य पवित्र हो जाता है।उनके विचार आज भी समाज में समानता, भाईचारे और मानवता के उत्थान के लिए मार्गदर्शक हैं।उन्होंने कहा कि संत रविदास जी का जीवन वंचितों, शोषितों और दलित समाज को न्याय एवं अधिकार दिलाने के लिए समर्पित था। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और सद्भाव बनाए रखना है।

रविदास समाज ने मनाया संत रविदास जयंती

संत रविदास समिति द्वारा माघी पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को संत रविदास की 646वां जयंती मनाया गया। कार्यक्रम में काफी संख्या में महिला-पुरुष मौजूद रहें। इसमें मुख्य रूप से मौजूद विजय रविदास, उज्ज्वल रविदास, राधेश्याम रविदास, जितेन्द्र दास आदि ने बारी- बारी से संत रविदास जी के तस्वीर पर पुष्प सुमन अर्पित कर नमन किया। वहीं उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता दीपक साहा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संत रविदास जी के दिए गए मार्ग पर सभी को चलने की आवश्यकता है। इनकी भक्ति भावना, आत्म निवेदन की एकाग्रता, निश्छल व निष्कपट व्यवहार की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैली हुई है। वहीं राधेश्याम रविदास ने कहा कि संत रविदास के जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर विकास रविदास, कुन्दन रविदास, बिक्रम रविदास, बाबुराम रविदास, अमन रविदास, अंकित रविदास, मुन्ना रविदास, राजा रविदास, फोटो रविदास आदि मौजूद रहे।

बड़तल्ला में आयोजित स्वास्थय शिविर का सैकड़ो ने उठाया लाभ

पाकुड़/ प्रखंड के बड़तल्ला जामबाद में बुधवार को हयात मेडिकेयर द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जहां आसपास के सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में ओपीडी सेवा, निशुल्क ईसीजी, निशुल्क आरबीएस प्रशिक्षण सहित अन्य कई प्रकार की जांच की व्यवस्था की गई थी। शिविर में ब्लड जांच, ब्लड प्रेशर, दवा वितरण, ओपीडी सहित अन्य कार्यों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाये गए थे। जहां स्त्री और प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर टी. असलमी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर फिरोज आलम, जेनरल फिजीशियन डॉक्टर जिसान अली, डॉक्टर इमरान सहित नेत्र रोग के डॉक्टर ने लोगों का इलाज कर उन्हें दवा दी। वहीं जिन मरीजों का ऑपरेशन किये जाने की स्थिति होगी उनके ऑपरेशन में 20% तक की छूट अस्पताल में दी जाएगी। इसके अलावा ऐसे मरीज जिनका इस शिविर में जांच होने के बाद दूसरी बार दिखाना पड़ेगा उन्हें अस्पताल में जाने पर फ्री में जांच की जाएगी। जबकि आंख का ऑपरेशन 4 हजार रुपये में लेंस के साथ किये जायेंगे। जांच के बाद शिविर में निःशुल्क रूप से दवा भी वितरण किया गया। मौके पर अब्दुल कादिर, शहीद अनवर, एलिसा, जहांगीर, अर्पिता आदि मौजूद रहे।

छोटा मुरी बना स्व पंकज कुमार मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का चैम्पियन विजेता टीम को ट्रॉफी व नगद राशि प्रदान करते अतिथि गणमान्य

सिल्ली:-

प्रखंड के बांसारुली स्कूल मैदान में स्व पंकज कुमार मेमोरियल तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता का फाइनल मैच सोनाहातु एवं छोटा मुरी क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें सोनाहातु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 83 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए छोटा मुरी की टीम ने 9.4 ओवरों में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हो हासिल कर प्रतियोगिता का चैम्पियन बना। बांसारुली क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता शुभारंभ पिछले 9 फरवरी को किया गया था। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, उप प्रमुख आरती देवी, पुर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, समाज सेवी प्रकाश महतो एवं अन्य अतिथियों ने विजेता टीम को चैम्पियनश ट्रॉफी व नगद 23 हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया। वहीं उप विजेता टीम को पुर्व मुखिया धनेश्वर मांझी, ग्राम प्रधान श्रीधर महली, पुर्व शिक्षक भृगु राम महतो, सुधीर महतो एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने रनर ट्राफी व नगद 18 हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया। वहीं सेमीफाइनल के रनर टीम बांसारुली और केसरडीह टीम को भी नगद व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द सीरीज सोनाहातु के गुड्डू को, बेस्ट बेट्स मैन ऑफ द मैच छोटामुरी के कृष को, हेट्रीक सिक्स कृष व करन लोहरा को दिया गया। इन खिलाड़ियों को आयोजन समिति के सहयोगी रोशन साहु, मधुसूदन महतो, लाल मोहन मांझी, कौशल साहू, कमलेश कुमार साहु आदि ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति की ओर से सभी एम्पायरों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कामेंट्री बिलटु महतो व दिनेश साहु ने किया। मैच का संचालन टायबु (जमशेदपुर), शुशीम कर, पंकज एवं सुरज ने किया। मौके पर प्रखंड प्रमुख ने कहा कि स्व पंकज कुमार क्षेत्र एक बेहत क्रिकेट खिलाड़ी थे। वो आज हमारे बीच नहीं रहे मगर उनके साथी खिलाड़ियों ने उनके याद को जिंदा रखने के लिए इस तरह का आयोजन किया इसके लिए हम आयोजन समिति का आभार जताते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के जरिए ही क्षेत्र से खिलाड़ियों की प्रतिभाएं निकल रही है। प्रतियोगिता के पुर्व अतिथियों एवं खिलाड़ीयों ने स्व पंकज कुमार के चीत्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। टूर्नामेंट के आयोजन में दिपक महली, प्रमोद साहु, सुमन साहु, दिलेश्वर महतो, विकास महतो, कमलदीप साहु, सुनील मांझी, राजा राम मांझी, अंकित साहु, अरुण साहू, सुजीत हजामत, आनंद महतो, शशिकांत महतो, अमित महतो, प्रेम मछली, प्रवीण साहु, भरत महतो, समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों सराहनीय योगदान रहा।

अंतर्राष्ट्रीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सफल बच्चों को किया सम्मानित

निरसा।

सुंदरनगर स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सफल 22 छात्र छात्राओं को प्रधानाध्यापक ने बुधवार को सम्मानित किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर विद्यालय का नाम रोशन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। यहां के छात्राओं ने छात्रों के अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया है। प्रधानाध्यापक पंकज शर्मा ने शिक्षकों को बधाई एवं सफल होने वाले छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दिया है। वहीं अभिभावकों ने विद्यालय के प्रति आभार जताया। परीक्षा परिणाम के बाद अभिभावक एक साथ विद्यालय पहुंचकर शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक को धन्यवाद दिया। सफल होने वाले छात्रों में कक्षा एक से अंकुश गोराई, इशिका बाउरी, पीहू मंडल, तान्या कुमारी, कक्षा द्वितीय से अंजली कुमारी वर्मा, अंश रवानी, आराध्या कुमारी, ईशा कुमारी, केशव पांडे , कुंदन गुप्ता,रमन, कक्षा तृतीय में आयुष बाउरी, अमित गोराई, संभवी शर्मा, कक्षा चतुर्थ में आयुष बाउरी, कक्षा पांचवीं में पूर्वी कुमारी प्रमुख रहे।

जयनगर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की नर्सिंग होम व जांच घरों की जांच

निरसा।

मधुबनी जिला के जयनगर में प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव रंजन कुमार व पीएचसी प्रभारी डॉ रवि भुषण प्रसाद एवं अस्पताल प्रबंधक प्रभाष कुमार प्रशांत के संयुक्त नेतृत्व में विभिन्न जगहों पर स्वास्थ्य विभाग के गाईड लाइन के विपरीत संचालित अवैध नर्सिंग होम व जांच घरों की जांच किया।अस्पताल प्रबंधक प्रभाष कुमार प्रशांत ने बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार सीमावर्ती शहर जयनगर में संचालित अवैध नर्सिंग होम व जांच घरों में स्वास्थ्य विभाग के मानक के अनुसार नहीं चलने वाले नर्सिंग होम व जांच घर की जांच की गई। पांच नर्सिंग होम के पास स्वास्थ्य विभाग के मापदंडों को पूरा नहीं होने पर पचास हजार रुपए का अर्थ दंड लगाया गया है। इसके लिए सभी अनाधिकृत रूप से संचालित अवैध नर्सिंग होम व जांच घर के संचालक को नोटिस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। अगर कोई नर्सिंग होम संचालन नर्सिंग होम संचालित करना चाहता है तो उसे स्वास्थ्य विभाग से निबंधन कराना अनिवार्य है।उसके लिए वैध चिकित्सक, पारा मेडिकल कर्मी के अलावे बायो मेडिकल एवं वेस्ट का निस्पादन और अग्निशमन विभाग से स्वीकृत मिलने के बाद विभाग द्वारा स्वीकृति दी जाएगी।

आदिवासी समाज ने ज्ञान के देवता बिंदू चंदन की पूजा की

निरसा।

माघी पूर्णिमा पर बुधवार को पंडित रघुनाथ मुर्मू विद्यालय मैथन में बिंदू चंदन (बोंगा बुरु) की पूजा अर्चना आदिवासी परंपरा के अनुसार किया गया। संथाल समुदाय में यह ज्ञान के देवी हैं। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक और विद्यालय के सभी बच्चे श्रद्धा के साथ पूजा में शामिल हुए। अपने देवता से आशीर्वाद प्राप्त किए। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य,शिक्षक, बच्चे, जेएमएम के एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष रामनाथ सोरेन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सीवी एरिया के खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

निरसा। ऑल इंडिया माइनिंग प्रतियोगिता में बीसीसीएल की रेस्क्यू टीम प्रथम और पूरे बीसीसीएल में फुटबॉल व एथलेटिक्स में सीवी एरिया चैंपियन होने पर बुधवार को पंचेत नेहरु पार्क में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सभी खिलाड़ियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। एपीएम जगदीश कर्मकार ने कहा कि कोई भी स्पोर्ट्स व प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी प्रथम नहीं होते हैं। निरंतर लक्ष्य पर अपना प्रयास जारी रखना चाहिए। खेल से लगातार संघर्ष करने और अनुशासन में रहने की बेहतरीन शिक्षा मिलती है। मौके पर एपीएम जगदीश कर्मकार, अधिकारी सुब्रतो मंडल, मैनेजर रजत नायक, ए भास्कर, एरिया मैनेजर (प्रशासन) राकेश कुमार नायक, फिरोज अकरम, कोच संदीप श्रीवास्तव, दिगंबर राखा, खेल प्रबंधक योगेश राजभर, एस एन गुप्ता, चौधरी रौशन, अरुण कुमार चौहान, अजय मिस्त्री, चंडी मांझी, विश्वजीत किस्कू, भैरव नाथ मांझी आदि थे।

किसानों को दिया गया मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण।

उधवा । प्रखंड के मध्य पियारपुर पंचायत सचिवालय में बुधवार को उद्यान विकास योजना के तहत किसानों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण दिया गया। जानकारी के अनुसार पंचायत की मुखिया रेशमा बीवी,जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन ने उपस्थित किसानों को बताया कि मधुमक्खी पालन कर किसान अपना आमदनी का जरिया बढ़ा सकते है। उन्होंने कहा कि किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते है। मौके पर उद्यान विभाग से मुकेश कुमार व प्रेम पासवान सहित अन्य किसान मौजूद थे।

श्री कृष्ण गौशाला, जयनगर की चहारदिवारी निर्माण,नाला एवं मुख्य द्वार निर्माण के लिए स्थल का एसडीओ ने किया निरीक्षण

निरसा। मधुबनी जिला के जयनगर के अनुमंडल पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने श्री कृष्ण गौशाला, जयनगर की चहारदिवारी निर्माण,नाला एवं मुख्य द्वार निर्माण के लिए स्थल का निरीक्षण किया।साथ ही श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर प्रबंधन समिति की बैठक कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई ' जिसमें प्रबंधन समिति के सभी सदस्यगण गौशाला विकास से संबंधित अपना विचार व्यक्त किए 'इस मौके पर श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के सचिव कल्पना सिंह,उपाध्यक्ष सुनील बरोलिया,विशंभर पूर्वे, जयनारायण यादव, श्याम किशोर सिंह, राम प्रसाद राऊत सहित अन्य मौजूद थें।

बिजली बिल भुगतान करने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए रथ रवाना।

निरसा। मार्च क्लोजिंग को देखते हुए बिजली विभाग द्वारा बकाया राशि की वसूली के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।इसी क्रम में बुधवार को सहायक विधुत अभियंता बरुण कुमार के नेतृत्व में बकाया बिल की वसूली के लिए जागरूकता रथ बिजली ऑफिस बाजार समिति से निकाली गई।यह रथ जयनगर अनुमंडल के विभिन्न प्रखंडों में जाकर लोगों को बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए जागरूक करेगा।साथ ही इसके माध्यम लोंगो को जागरूक करते हुए बताया गया कि जिसका भी बिजली बिल 2000 से अधिक बकाया हैं।वह जल्द जल्द बिजली बिल जमा करें।अन्यथा उनका बिजली कनेक्शन काट दिया जायेगा।इस मौके पर सहायक विद्युत अभियंता बरुण कुमार,कनीय विद्युत अभियंता गौरी शंकर प्रसाद,सुपरवाइजर कमलदेव यादव ,संतोष कुमार मण्डल, अंशु कुमारी, शैलेन्द्र कुमार,मुकेश कुमार,भुवनेश्वर दास सहित अन्य मौजूद थे।

चलाया गया वाहन जांच अभियान।

पाकुड़/एसपी पाकुड़ के निर्देश पर हिरणपुर थाना के सामने बुधवार को वाहन जांच अभियान चलाया गया। थाना एएसआई मीना कुमारी ने पुलिस बल के साथ दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की जांच की। जिसमें चारपहिया वाहन के डिग्गी इत्यादि की जांच की गई। वहीं दोपहिया वाहनों के हेलमेट, लाइसेंस, कागजात इत्यादि की जांच की गई। साथ सभी बाइक चालकों को हेलमेट लगाकर चलने की हिदायत की गई, एवं यातायात के नियमों के पालन कर चलने का निर्देश दिया गया। इस दौरान कई वाहनों से जुर्माना वसूला गया।

युवक को पीटकर कर किया घायल

पाकुड़।थानाक्षेत्र के फतेहपुर में एक युवक को पीटकर लहूलुहान करने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर पीड़ित जंगलाल साहा ने थाना में लिखित शिकायत की है। जिसमें पीड़ित ने उल्लेख किया है कि मैं जेसीबी चालक हूं और 4-5 दिन पर घर आता हूं। बुधवार को जब मैं काम से लौटा तो मेरे पिता शिवनाथ साहा एवं भाई धनजंय साहा ने मिलकर कर मुझे लाठी-डंडे से पीटकर घायल कर दिया। साथ ही मेरा मोबाइल व पैसे भी छीन लिए। इस बाबत थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया कि मारपीट की शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

दवा दुकान में बिक रही थी प्रतिबंधित नशीली दवा, संचालक व कारोबारी गिरफ्तार।

मैनाटांड़/

इनरवा बाजार स्थित एक दवा दुकान में पुलिस ने छापेमारी कर नशीली दवा के साथ दुकानदार व एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। दुकानदार की पहचान भंगहा थाना क्षेत्र के नगरदेही निवासी पहवारी प्रसाद के पुत्र ओमनाथ आर्या के रूप में की गई है। वही कारोबारी नेपाल वीरगंज थाना क्षेत्र के आलोम निवासी स्व. साबिर अंसारी का पुत्र नूर आलम के रूप में की गई। इंस्पेक्टर सरफराज अहमद ने बताया की बुधवार की सुबह इनरवा पुलिस व एसएसबी की संयुक्त में वाहन जांच चल रही थी। उसी दौरान पल्सर बाइक से एक व्यक्ति आ रहा था रोक कर तलाशी ली गई तो बाइक की डिक्की में छुपा कर रखा प्रतिबंधित नशीली दवा बरामद की गई। पूछताछ में पुलिस और एसएसबी की दबाव पर कारोबारी ने बताया की इनरवा बाज़ार के प्रकाश मेडिकल हॉल से नशीली दवा खरीदा था। त्वरित दुकान में पहुंच छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान दुकान से भी नशीली दवा बरामद की गई। कारोबारी और दुकानदार के पास से कुल 147 बोतल प्रतिबंधित नशीली दवा बरामद की गई। दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। मौके पर थाना अध्यक्ष जय कुमार, एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट गुलाब चौधरी मौजूद रहें। इधर अचानक की गई कार्रवाई से इनरवा बाजार में हड़कंप मच गया और चर्चा पर बाजार गर्म हो गया। स्थानीय लोगों की माने तो इंस्पेक्टर, एसएसबी, थानाध्यक्ष की टीम के नेतृत्व में भारी संख्या में आए पुलिस बल बाजार में आते ही फिल्मी एक्शन में दवा दुकान को घेर लिया। इससे स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। बाकी दवा दुकानों की सेटर धड़ाधड़ बंद होने लगी। बाद में प्रतिबंधित दवा के साथ अंदर से पुलिस दुकानदार को पकड़े बाहर निकली। इसके बाद लोगों को माजरा समझ आया।

चिटाही धाम में महायज्ञ की पूर्णाहुति में उमड़ा भक्तों का सैलाब,

हवन के साथ 9 दिवसीय यज्ञ हुआ संपन्न

श्रमबिंदु /धनबाद ।

श्रीश्री राम महायज्ञ बाघमारा के चिटाहि धाम में अंतिम दिन बुधवार को पूर्णाहुति में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पिछले 9 दिनों से चल रहे इस महायज्ञ में जहां हवन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ पहले दिन से जुटने लगी थी। वहीं यज्ञस्थल में कवी कुमार विशवास , प्रवचन में साध्वी जी, भोजपुरी गायक पवन सिंह ,भोजपुरी गायिका शिल्पी राज ,स्वाति मिश्रा के अलावा लिए देश के कई कोनों से आए संतों-महात्मा की टोली अपने मधुर वाणी से लोगों को भाव-विभोर करते रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रसिद्ध कलाकार शामिल हुए। जहां उन्होंने भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। जिसमें उन्होंने एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर सभी का मनमोह लिया। श्रद्धालुओं ने सभी भजनों पर भक्तिभाव से नृत्य किया। कलाकारों ने भगवान भोलेनाथ, मां दुर्गा और भगवान श्रीराम की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की जोरदार प्रस्तुतियां दी। जिसे सभी ने सराहा। पूरा महोत्सव स्थल भक्तों की भीड़ से भरा था। भजनों का सिलसिला देर रात तक चलता रहा।यज्ञ के दौरान लगातार मंत्र के जाप से पू-रा क्षेत्र गुंजायमान रहा। वहीं प्रति दिन विशाल भंडारा दोपहर 2 बजे से लेकर देर शाम तक अनवरत चलता रहा।यज्ञ की सफलता में मुख्य यजमान सांसद ढुलू महतो सपरिवार सहित बड़े संख्या में प्रभु श्रीराम भक्त /कार्यकर्त्ता लगे हुए थे।

- **हजारों लोगों ने ग्रहण किया यज्ञ का प्रसाद2**

श्रीश्री राम महायज्ञ के अंतिम दिन भंडारें में करीब 50 हजार से अधिक लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। लोगों का हुजूम इस कदर उमड़ा कि एक ओर लोग प्रसाद के लिए बैठ रहे थे तो दूसरी ओर उससे अधिक संख्या में श्रद्धालु कतारबद्ध होकर खड़े रहे। इस दौरान यज्ञ की व्यवस्था संभाल रहे स्वयंसेवक लोगों की सेवा में कोई कमी नहीं रहने देने की कोशिश में लगातार लगे हुए थे।

- **अंतिम दिन हवन के लिए भी उमड़ी भीड़**

महायज्ञ के अंतिम दिन हवन के लिए भी भक्तों की भारी भीड़ सुबह से ही यज्ञ मंडप में पहुंच चुकी थी। हर कोई मंडप का परिक्रमा करने आने वाले जयश्रीराम की जयघोष कर रहे थे। मुख्य आचार्य तथा विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार से पूरा माहौल राममय हो रहा था। महिला, पुरुष, बच्चे, युवक व युवतियों के ललाट पर चंदन, अष्टगंध तथा रोली लगा हुआ था। मुख्य यजमान सांसद ढुलू महतो, धर्मपत्नी सावित्री देवी ने पूजन, हवन के बाद महाआरती की। जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो रहा था।हवन के बाद महाआरती कर यज्ञ की पूर्णाहुति की गई।

- **पूलिस एवं महायज्ञ कमेटी की रही चुस्त व्यवस्था**

इस महायज्ञ में पुलिस प्रशासन एवं कमेटि की ओर से भी चुस्त दुरूस्त व्यवस्था रही। आयोजन में पूरे समय स्वयं सेवक एवं पुलिस कर्मी डयूटी पर तैनात रहे जिनके द्वारा महायज्ञ में आने जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था देखी गई। रात में और दिन में कमेटि के स्वयं सेवक व पुलिस की व्यवस्था काफी दुरुस्त रही।

21वां वार्षिकोत्सव किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा को धूमधाम से मनाया गया

श्रमबिंदु /धनबाद ।

बसंत मास की मधुमय धरा पर किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा का 21 वां वार्षिकोत्सव बुधवार को पाथरडीह अजमेरा मैदान में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, पूर्व पार्षद प्रियंका देवी, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, अभिषेक पांडेय, समाजसेवी डा. बीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर भारत माता , माँ शारदे एवं विद्यालय के संस्थापक दिवंगत स्व विकाश श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। किड्स एंजल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा के बच्चे बच्चियों ने अपना अद्भुत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर हजारों दर्शकों का मनमोह लिया। श्री गणेशा देवा, महाभारत, रक्तचारित, झुनझुन मोयना, जंगल रखवाला रे , डोरेमोन, छोटा भीम, बाबूराओ कॉमेडी, राम आएंगे आदि का दर्शकगण सांस्कृतिक कला का भरपूर आनंद लिए। यहां तक कि वसंत की वयार भी थोड़ी देर रुक कर बच्चों की कलाकृति को देखने लगे थे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्या नम्रता श्रीवास्तव के द्वारा मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व विद्यालय का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ , अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देक-र किया गया। मौके पर प्राचार्य बी०के०श्रीवास्तव, नागेश्वर प्रसाद, मीरा श्रीवास्तव, नम्रता श्रीवास्तव, सावित्री देवी थे। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सुजल मुखर्जी, विजय अमृत सिन्हा, अजीत, विजय, अजय, ज्योति, कविता, संगीता, अर्चना, कल्याणी, प्रिया, पुतुल, किरण, प्रियंका, निभा, राधा, सपन, मामोन, पुनम, तेजुद्दीन, नेहा, गंगा, प्रकाश, सुषमा, माही, स्वीटी, कृतिका, रागिनी, अन्नू, साधना, मनीषा, पूजा, आनंद, सुहानी, पायल, संगीता, आवेदा, भरत, आबिदा, श्रीराम, नारायण आदि मौजूद थे।

झरिया में कार ने चार लोगों को रौंदा, खड़ी दो कारों में भी मारी टक्कर,5 घायल

श्रमबिंदु /धनबाद । झरिया थाना क्षेत्र के उपर कुल्ही के पास तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला,
यहां एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर मारकर भागने के दौरान कार ने सड़क पर पैदल चल रहे चार राहगीरों को धक्का मार दिया. इस में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है. इतने में भी कार नहीं रूकी और सड़क किनारे खड़ी दो कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी. घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गयी,इधर घटना के बाद सभी घायलों को झरिया के एक निजी नर्सिंग होम ले जाया गया. जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच में रेफर किया गया. घटना में घायल ऊपर कुली निवासी मोहम्मद मंजूर का 12 वर्षीय पुत्र बिट्टू गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही है, जानकारी के अनुसार, बिट्टू को बेहतर इलाज के लिए रांची के हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है,वहीं घटना के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक और उसमें बैठे एक व्यक्ति को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी, झरिया पुलिस मामले की सूचना पाकर तुरंत मौके पर पहुंची और किसी तरह वाहन चालक समेत दो लोगों को भीड़ के चंगुल से बचाकर निकाला, पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है ।

शिव मंदिर ग्रामीणों ने की बैठक

श्रमबिंदु /धनबाद।

12 फरवरी को अलकडीहा के शिव मंदिर प्रांगण में सुरुन्गा पंचायत में हुई आउटसोर्सिंग कंपनी के गुंडों की बर्बरता के खिलाफ कड़ी निंदा, महापंचायत बुलाने का ऐलान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंदिर प्रांगण में 11 पंचायतों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आउटसोर्सिंग कंपनी के गुंडों द्वारा महिलाओं एवं निहत्थे युवाओं पर की गई बर्बरता पूर्ण कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की गई। साथ ही, 15/02/2025 को सुरूंगा शिव मंदिर में समय 3:00 बजे अगली बैठक रखी गई है, जिसमें इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

मैथन डेम में अंजुमन ने पिकनिक सह काव्य पाठ का किया आयोजन,

- **दिल हमारा संभाल कर रखिए...**
- **जो मेरे हाथ में अपना कलम नहीं होता...**
- **अमन का लेकर हाथ में परचम...**

श्रमबिंदु /धनबाद ।

अंजुमन तरक्की उर्दू (हिंद) झारखंड, धनबाद शाखा ने निरसा विधानसभा क्षेत्र में पदाधिकारियों का चुनाव किया। वहीं, इस मौके पर धनबाद के मैथन डैम के तत्वावधान में नये साल के मौके पर पिकनिक सह काव्य पाठ का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्तार अहमद मुख्तार ने की और जियाउल हुसैन ने संचालन किया। सबसे पहले काव्य सभा का आगाज़ अब्दुल ×खालि×क ने नात पाक से बड़े ही अछूते अंदाज़ में किया। उसके बाद एक-एक करके आए हुए सभी कविगण ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया और सराहा।

झरिया के डॉ. यूनुस फिरदौसी ने अपनी हास्य कविताओं से लोगों को खूब हंसाया। अफसुरदा 'हस्पुरवी' ने 'मेरी मां' शीर्षक से एक स्वतंत्र कविता (आज़ाद नज़्म) सुनाई, जिसने पूरी सभा को गंभीर बना दिया। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताएं इस प्रकार हैं....

पैकर में सब्र के हम हर आन ढल रहे हैं,
शोले जहां बिछे हैं, उसी रह पे चल रहे हैं।
-अब्दुल हलीम (चिरकुंडा)

अमन का लेकर हाथ में परचम, यू मचाकर वह धूम निकलेगा। बहरे हमदर्दी कुम्भ मेले में, मुस्लिमों का हुजूम निकलेगा।
गुलाम गौस आसवी (लोयाबाद)

जिंदगी है एक सफर और मुसाफिर है आदमी,
चार दिन रहना यहाँ है, ज़िंदगी हँस कर गुज़ार।
-गुलाम जिलानी 'गुलाम'

रौशन रहेगी और ताबिन्दा रहेगी।
ज़िंदा रही है उर्दू और ज़िंदा रहेगी।
ये है शीशा संभाल कर रखिए। दिल हमारा संभाल कर रखिए।
-इम्तियाज़ बिन अज़ीज़

एक जहदे मुसलसल की हरासानी से,
मंज़िल है वही, जो मिले ×कुर्बानी से।
- फैजुल अमीन (कुल्टी)

एक-एक ×कदम उठाता है बेगम से पूछ कर,
हर ×फर्ज़ वो निभाता है बेगम से पूछकर।
- डॉ युनूस फिरदौसी (झरिया)

खरा-खोटा सयाना है ज़मीन पर।
अलग सबका ×फसाना है ज़मीन पर।
- मुकर्रम अली नादिम

जलवा मुझे हर सम्त नज़र आने लगा है।
अब मेरी दुआओं में असर होने लगा है।
झ नवाब कलीम 'आरजू'

ज़रा ठहर तो कहूं कैसी यार गुज़री है।
अभी-अभी तो शबे इंतज़ार गुज़री है।
- इब्न ताज (कुमारधुबी)

ज़माना कब का फरामोश मुझको कर देता,
जो मेरे हाथ में अपना ×कलम नहीं होता।
झ डॉ. हसन निज़ामी

फलक मिलेगा तुझे क्या मुझे मिटाने से।
ये मोहब्बत ना मिटेगी, कभी ज़माने से।
झ मुख्तार अहमद 'मुख्तार'

इस तरह शेरो-शायरी का कार्यक्रम दोपहर 3:00 बजे तक चलता रहा और श्रोता आनंद लेते रहे। मौके पर अंजुमन तर×क्×की उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद उपशाखा के निरसा विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे। अंत में, अंजुमन तर×क्×की उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद शाखा के अध्यक्ष सैयद मिफ्ताहुल आरिफिन रिज़्वी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ काव्य गोष्ठी के समापन का ऐलान किया।

न्यूज अपडेट

गोविंदपुर में ट्रक ने अनियंत्रित होकर सवारी ओटो को मारी जोरदार ठोकर एक व्यक्ति सहित महिला की हुई मौत

श्रमबिंदु /धनबाद ।गोविंदपुर , बुधवार की शाम 5 बजे गोबिंदपुर थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर साहेबगंज मार्ग पर एक दर्दनाक भिषण सड़क दुघर्टना देखने को मिला. जहां अपना नर्सिंग होम के समीप एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने सवारी ओटो वाहन को मारी जोरदार ठोकर ओटो में सवार एक व्यक्ति सहित एक महिला की भी मौके पर मौत हो गई. वहीं तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने कई घंटों लिए सड़क को जाम कर दिया. घटना के संबंध में बताया गया कि ओटो में सवार सभी लोग कुसमाटांड़ का निवासी है. सभी ओटो में सवार होकर कूसमाटांड गांव की ओर प्रवेश कर रहा था. इसी दौरान तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने ओटो वाहन को जोरदार तरीके से ठोकर मारी है ।

शिव मंदिर प्रांगण में सुरुन्गा पंचायत

श्रमबिंदु /धनबाद। 12 फरवरी को अलकडीहा के शिव मंदिर प्रांगण में सुरुन्गा पंचायत में हुई आउटसोर्सिंग कंपनी के गुंडों की बर्बरता के खिलाफ कड़ी निंदा, महापंचायत बुलाने का ऐलान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंदिर प्रांगण में 11 पंचायतों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आउटसोर्सिंग कंपनी के गुंडों द्वारा महिलाओं एवं निहत्थे युवाओं पर की गई बर्बरता पूर्ण कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की गई। साथ ही, 15/02/2025 को सुरूंगा शिव मंदिर में समय 3:00 बजे अगली बैठक रखी गई है, जिसमें इस मुद्दे पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

सीटू ने कामरेड विशेश्वर देव की 17वीं पुण्यतिथि मनाई

श्रमबिंदु /धनबाद । तिसरा, मंगलवार को कामरेड विशेश्वर देव की 17वीं पुण्यतिथि एमओसीपी सीटू कार्यालय में मनाई गई। विशेश्वर देव बीसीकेयू के क्षेत्रीय सचिव एवं समाजसेवी थे। उन्होंने मजदूरों के हित की लड़ाई लड़ी, उनका पूरा जीवन मजदूरों की भलाई में खप गया। उन्हें याद करते हुए सीटू के जिला अध्यक्ष आनंद मयीपाल ने कहा वे लाल झंडा के सच्चे सिपाही थे। ,मजदूरों के लिए उन्होंने अपना जीवन कुर्बान कर दिया। वहां पर मौजूद सभी कामरेडों ने देव की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पण किया।
मौके पर रामकृष्ण पासवान, पशुपतिनाथ देव, शिवकुमार सिंह, धर्मेंद्र राय, सुजीत मंडल, उज्जवल डे, जितेंद्र निषाद, महेंद्र देव, मनोज पासवान आदि मौजूद थे।

अंबेडकर कॉलोनी में मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती

श्रमबिंदु /धनबाद । तिसरा, बुधवार को सिंदरी चेक पोस्ट अंबेडकर कॉलोनी में संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष परेश चंद्र दास ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री इंद्र मोहन सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मोर्चा के जिला महामंत्री नरेंद्र हरि जी ने किया।
मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री
तारा देवी बोकारो से आए प्रभारी प्रकाश दास , धनबाद जिला ग्रामीण महामंत्री मनोज मिश्रा, ग्रामीण जिला मंत्री प्रकाश बाउ-री , एसटी मोर्चा झारखंड प्रदेश के शोध एवं नीति सह-संयोजक समीर बाउरी , एटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष रविश्वर मरांडी , एससी मोर्चा की जिला मंत्री चंद्रावती देवी सहित कई गणमान्य नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।
वहीं अन्य प्रमुख अतिथियों में वरिष्ठ नेता विजय सिंह, अरविंद खत्री, राकेश तिवारी, चरण करवा, गणपति बाउरी, राघव तिवारी, रंजना शर्मा, अनिमा सिंह, चुमकी देवी, कुमार महतो, शिव प्रकाश, धनंजय सिंह, प्रदीप हाड़ी, प्रदीप कुमार, मनोज रजक, विजय दास आदि उपस्थित थे।
इस अवसर पर भाजपा नेत्री तारा देवी के सौजन्य से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद लोगों के बीच 100 कंबलों का वितरण किया गया।

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्मोत्सव एवं स्मरणोत्सव पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

श्रमबिंदु /धनबाद । महुदा, डी.ए.वी .महुदा कि ओर से आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्मोत्सव एवं स्मरणोत्सव पर एक भव्य शोभायात्रा लोहा पट्टी दुर्गा स्थान से जिला परिषद सदस्य श्रीमती आशा देवी के द्वारा झण्डा दिखाकर रवाना किया गया।यह शोभा यात्रा तेलमोच्चो बाजार होते हुए महुदा मोड़ से आगे तृप्ति होटल के समीप शान्ति पाठ के साथ शोभा यात्रा विधिवत समापन किया गया।
प्रधानाचार्य आशीष कुमार मंडल ने स्वामी दयानन्द सरस्वती के जन्मोत्सव पर अपने विचार व्यक्त किए।उस समय विद्यालय के कुछ शिक्षक जैसे - राहुल पाण्डेय, पी.सी. तिवारी, ए.के.मिश्रा भानु सिंह आर.के. सिंह एवं शिक्षिकाओं में श्रीमती विनीता, श्रीमती अन्नु श्रेष्ठा आदि मौजूद थे।
विद्यालय के धर्माचार्य अलखदेव शास्त्री ने वैदिक मन्त्रों एवं जय -घोष के साथ - साथ पुरे शहर को अपने आवाज से गुंजयमान की । यह दृश्य देखकर शहर वासियों ने भी अपनी प्रसन्नता दिखाई।

स्वामी, शिव श्रीवास्तव के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक संतोष पाठक द्वारा फ्लैट नं. 4 ई नलिनी पैलेस, एलबर्ट कम्पाउंड पुरुलिया रोड, रांची 8340 01 से प्रकाशित तथा फारूकी तंजीम प्रेस चटर्जी कम्पाउन्ड बहुबाजार से मुद्रित।
संपादक संतोष पाठक *पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार चयन हेतु जिम्मेदार मो. 7979985594 ईमेल - shrambindujharkhand@gmail.com